मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित

facebook.com/mradubhashi   twitter.com/mradhubhashi   www.mradubhashi.com

इंदौर, मंगलवार, 14 मई 2024

नगर संस्करण, वर्षः 04, अंकः 262, पृष्ठ : 08, मूल्यः 5.00 रुपए

लोकसभा चुनाव का चौथा चरणः 10 राज्यों की 96 सीटों पर 62.76% वोटिंग, बंगाल में बंपर मतदान, जम्मू-कश्मीर में सबसे कम, मप्र में सभी 29 सीटों पर वोटिंग पूरी, अब 4 जून का इंतजार

इंदौर में सबसे कम और खरगोन में सबसे ज्यादा वोटिंग

इंदौर/नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 10 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की 96 लोकसभा सीटों पर सोमवार 62 फीसदी से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया। पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कुछ मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में गड़बड़ी की भी खबरें सामने आई। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 62.76 फीसदी मतदान हुआ। चौथे चरण में मध्यप्रदेश की 8 सीटों पर वोटिंग के साथ ही अब प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो गया है। चौथे दौर में सोमवार को इंदौर, उज्जैन, देवास, रतलाम, मंदसौर, धार, खरगोन और खंडवा सीटों पर मतदान हुआ। यहां कुल 74 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। मप्र में चौथे चरण में शाम 6 बजे तक वोटिंग का आंकड़ा 71.72 प्रतिशत रहा। इंदौर में सबसे कम 60.53 प्रतिशत वोट पड़े हैं। जबकि खरगोन में सबसे ज्यादा 75.79 प्रतिशत मतदान हुआ है।

सुबह रही भीड़, दोपहर में कम वोटर आए

मप्र में चौथे चरण के चुनाव में सुबह के समय मतदान केंद्रों पर वोटर्स में खासा उत्साह देखने को मिला। पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रही। हालांकि दोपहर में गर्मी पड़ने से कम ही वोटर मतदान केंद्रों पर पहुंचे। शाम के दौरान फिर पोलिंग बूथों पर भीड़ नजर आई। सुबह 7 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 6 बजे तक चला।

सबसे ज्यादा मतदान	सैलाना	84.51%
सबसे कम मतदान	इंदौर 3	56.54%

फर्स्ट टाइम वोटर्स ने दिखाया उत्साह

मतदान को लेकर युवा खासकर फर्स्ट टाइम वोटर और महिलाओं ने भी उत्साह दिखाया। बुजुर्गों और दिव्यांगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इतना ही नहीं शादी-ब्याह की रस्मों के बीच दूल्हा-दुल्हन और शादी वाले घरों के लोगों ने भी सब काम छोड़कर पहले अपने वोट डाले।

मप्र में कहां-कितना रहा मतदान

देवास	74.86 %
उज्जैन	73.03 %
मंदसौर	74.50 %
रतलाम	72.86 %
धार	71.50 %
इंदौर	60.53 %
खरगोन	75.79 %
खंडवा	70.72 %

वोटिंग के दौरान 3 लोगों की मौत

चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में तीन लोगों की अलग-अलग वजह से मौत हुई है। पश्चिम बंगाल के बोलपुर में वोटिंग से एक दिन पहले टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या हो गई। बिहार के मुंगेर में वोटिंग से पहले एक पोलिंग एजेंट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। महाराष्ट्र के बीड में एक न्यूज चैनल के पत्रकार की हार्ट अटैक से मौत हुई है।

हैदराबाद में माधवी लता पर केस दर्ज

हैदराबाद से भाजपा प्रत्याशी माधवी लता पर डमी ईवीएम से वोटर को भ्रमित करने का आरोप लगा है। हैदराबाद के मंगलहाट पुलिस ने उनके और भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस ने दो भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। बाद में माधवी लता पुलिस स्टेशन पहुंची और कार्यकर्ताओं को छुड़ाकर वापस ले आईं। साथ में डमी ईवीएम भी अपने साथ ले गईं।

मप्र में वोटिंग के दौरान हुईं ये घटनाएं

- उज्जैन में एक पार्टी को वोट के लिए कहने पर पीठासीन अधिकारी को हटाया।
- देवास में फर्जी वोटिंग कराने का आरोप, पीठासीन अधिकारी को हटाया गया।
- नीमच और आगर में कुछ जगह वोटर्स ने मतदान का बहिष्कार कर दिया।
- इंदौर में एक बूथ पर नोटा पर वोट डालते हुए एक वीडियो सामने आया है।
- इंदौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कुछ पोलिंग बूथों पर नोटा का टेबल लगाया।
- इंदौर में वोट डालने वाले लोगों को 56 दुकान पर फ्री में नाश्ता कराया गया।

ब्रीफ न्यूज़

तीन दिन में 75,139 श्रद्धालु कर चुके बाबा केदारनाथ के दर्शन

रुद्रप्रयाग। भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कपाट खुलने के बाद से अभी तक धाम में कुल 75,139 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। बीते तीन दिनों से धाम में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे सुबह से ही भक्तों की लंबी लाइन लग रही है। इसके साथ ही पैदल मार्ग से लेकर केदारनाथ तक रौनक बनी हुई है। पंच केदार में प्रमुख केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को खुल गए थे। कपाटोद्घाटन पर धाम में रिकॉर्ड 29,030 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। केदारनाथ में व्यापारिक गतिविधियां बंद होने के बाद भी धाम में यात्रियों का उत्साह अपने चरम पर रहा। वहीं, शनिवार को भी धाम में आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ा जो रविवार को भी जारी रहा। रविवार को धाम में 23,510 शिव भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन किए। श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा बाबा के भक्तों को बेहतर से बेहतर तरीके से दर्शन कराए जा रहे हैं। सुबह चार से आठ बजे तक भीड़ कम होने पर भक्त गर्भगृह से दर्शन कर रहे हैं। वहीं, भीड़ बढ़ने पर सभामंडप से दर्शन हो रहे हैं। धाम में औसतन 1,700 से अधिक श्रद्धालु हर घंटे दर्शन कर रहे हैं। बीकेटीसी के अनुसार, तीन दिनों में धाम में कुल 75,139 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जो बीते पांच वर्ष में नया रिकॉर्ड है। दर्शनार्थियों में 49,144 पुरुष, 25,002 महिलाएं, 991 बच्चे शामिल हैं। साथ ही दो विदेशी महिला शिवभक्त भी केदारनाथ के दर्शन कर पुण्य अर्जित कर चुकी हैं।

अपहरण मामले में एचडी रेवन्ना को कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे और जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना को अदालत से बड़ी राहत मिली है। उन्हें अपहरण मामले में सशर्त जमानत मिल गई है। निचली अदालत ने जेडीएस नेता को 5 लाख रुपये के बॉन्ड पर जमानत दी है। कोर्ट में उन्हें दो निजी जमानतदार भी पेश करना पड़ा। उनके सांसद बेटे प्रज्वल रेवन्ना लीक हुए अश्लील वीडियो से जुड़े कर्नाटक सेक्स स्कैंडल मामले में आरोपी हैं। एचडी रेवन्ना को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 4 मई को गिरफ्तार किया था। उसके बाद तीन दिनों तक रेवन्ना एआईटी की हिरासत में थे। आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर अपने बेटे प्रज्वल रेवन्ना सहित एक यौन उत्पीड़न पीड़िता के अपहरण में भूमिका निभाई थी। बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना को जेडीएस से निलंबित कर दिया गया है। कर्नाटक में एक महिला ने प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार अज्ञात महिला ने दावा किया कि हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने चार से पांच साल पहले बेंगलुरु में अपने आवास पर उसकी मां के साथ बलात्कार किया था। उन्होंने एसआईटी को घटनाओं का व्यापक विवरण दिया है। इसके अलावा उसने दावा किया कि उसे 2020 और 2021 में वीडियो कॉल के दौरान कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया था।

10वीं-12वीं में दो साल बाद 90% पाने वाले छात्रों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को सीबीएसई कक्षा 10वीं, 12वीं के रिजल्ट घोषित कर दिए। इस साल सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में 87.98% छात्र और कक्षा 10वीं की परीक्षा में 93.60% छात्र पास हुए हैं। बता दें, सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में दो वर्ष बाद 90 फीसदी हासिल करने वाले छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष 12वीं में 1,16,145 छात्रों ने 90 फीसदी और इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वहीं, 10वीं बोर्ड परीक्षा में यह संख्या 2,12,384 रही। इसके अलावा 12वीं में इस वर्ष 24,068 छात्रों के 95 फीसदी और इससे अधिक अंक आए हैं। 10वीं बोर्ड में यह संख्या 47,983 रही।

त्रिवेंद्रम का रिजल्ट रहा सबसे बेस्टः सीबीएसई 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में त्रिवेंद्रम (तिरुअनंतपुरम) का रिजल्ट सबसे अच्छा रहा है। 10वीं में त्रिवेंद्रम का रिजल्ट 99.75% बच्चे पास हुए हैं। विजयवाड़ा 99.60% के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, चेन्नई 99.30% रिजल्ट के साथ तीसरे नंबर पर है। सीबीएसई बोर्ड 12वीं में भी त्रिवेंद्रम नंबर-1 है. यहां 99.91% बच्चे पास हुए हैं। जबकि दिल्ली ईस्ट का रिजल्ट 94.51 फीसदी रहा है।

इस बार 10वीं-12वीं में लड़कियां अव्वलः सीबीएसई 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में लड़कियां अव्वल रही हैं। 10वीं की परीक्षा में 94.75% लड़कियां पास हुई हैं। जबकि लड़के 92.71% पास हुए हैं। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 2.04% बेहतर रहा है। वहीं, ट्रांसजेंडर का रिजल्ट 91.30% रहा है। सीबीएसई बोर्ड 12वीं की परीक्षा में 91.52% लड़कियां पास हुई हैं। जबकि लड़कों का रिजल्ट 85.12% रहा है। इस साल 12वीं में लड़कों के मुकाबले लड़कियां 6.40% अधिक पास हुई हैं।

90% अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या

वर्ष	10वीं बोर्ड	12वीं बोर्ड
2018	1,31,493	72,599
2019	2,25,143	94,299
2020	1,84,368	1,57,934
2021	2,00,962	1,50,152
2022	2,36,993	1,34,797
2023	1,95,799	1,12,838
2024	2,12,384	1,16,145

95% अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या

वर्ष	10वीं बोर्ड	12वीं बोर्ड
2018	27,476	12,737
2019	57,256	17,693
2020	41,804	38,686
2021	57,824	70,004
2022	64,908	33,432
2023	44,297	22,622
2024	47,983	24,068

टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की गई

सीबीएसई ने इस साल 10वीं और 12वीं के टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की है। बोर्ड ने इसका ऐलान पहले ही कर दिया था। टॉपर्स की लिस्ट जारी न करने का मकसद बच्चों को अनहेल्दी कॉम्पिटिशन से बचाना है। सीबीएसई बोर्ड रिजल्ट 2024 जारी होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के नाम एक मैसेज अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा, उन मेधावी छात्रों के लिए जो मानते हैं कि वे बारहवीं कक्षा की परीक्षा में और अधिक हासिल कर सकते थे याद रखें, यह आपकी यात्रा में सिर्फ एक मील का पत्थर है। आपका भविष्य असीमित संभावनाओं से भरा है। उस पर ध्यान केंद्रित करें जो आपको उत्साहित और प्रेरित करता है। आपकी अद्वितीय प्रतिभाएं आपको सफलता और संतुष्टि की ओर ले जाएंगी। आगे बढ़ते रहो, पीछा करते रहो!

जो संतुष्ट नहीं वे फिर से करा सकते हैं जांच

सीबीएसई का रिजल्ट आने के बाद जो भी स्टूडेंट्स अपने मार्क्स से संतुष्ट नहीं हैं वे फिर से अपने पेपर की जांच करा सकते हैं। इसके अलावा अपनी आंसर कॉपी की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही वह रिवैल्युएशन के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया रिजल्ट के चार दिन बाद शुरू हो जाएगी। अपने मार्क्स से असंतुष्ट छात्र एक आवश्यक शुल्क का भुगतान करके रिवैल्युएशन करा सकते हैं।

आईएमडी ने बताया- समय से तीन दिन आगे चल रहा मानसून

अगले हफ्ते अंडमान सागर में होगी एंट्री

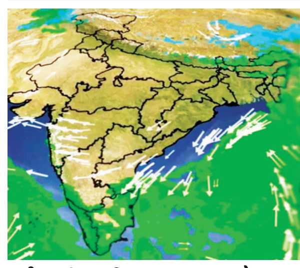

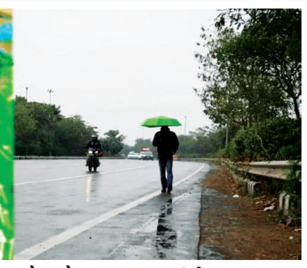

नई दिल्ली। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अपने निर्धारित समय से तीन दिन आगे चल रहा है। आईएमडी के मुताबिक, 19 मई के आसपास दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दक्षिणी अंडमान सागर में प्रवेश कर जाएगा। इसके अलावा यह बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व के कुछ हिस्सों में भी उसी दिन तक प्रवेश कर जाएगा। अमूमन हर साल 22 मई को मानसून इस हिस्से में पहुंचता है लेकिन इस साल उससे तीन दिन पहले ही प्रवेश करने जा रहा है। मॉनसून सामान्यतः 1 जून के आसपास केरल में दस्तक देता है। इसके बाद यह आमतौर पर तेजी के साथ उत्तर की ओर बढ़ता है और 15 जुलाई के आसपास पूरे देश में छा जाता है। मौसम विभाग को उम्मीद है कि इस साल देश में सामान्य से ज्यादा मानसूनी बारिश होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 अप्रैल को अपने दीर्घकालिक पूर्वानुमान में कहा था कि जून से सितंबर के बीच देश में मानसूनी वर्षा करीब 106 प्रतिशत रहने की उम्मीद है जो सामान्य से ऊपर माना जाता है।

आईएमडी ने कहा है कि मई के अंतिम सप्ताह के दौरान फिर से एक अद्यतन पूर्वानुमान जारी किया जाएगा, जिसमें उत्तर पश्चिम भारत, मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीप और पूर्वोत्तर भारत में मानसून की स्थिति और पूर्वानुमान की जानकारी अपडेट की जाएगी।

पिछले साल कम हुई थी बारिश

मौसम विभाग ने कहा है कि 1971-2020 की लंबी अवधि के आंकड़ों के आधार पर पूरे सीजन में दीर्घावधि औसतन 87 सेमी बारिश हुई है। विभाग के मुताबिक, पिछले साल दीर्घावधि औसतन मानसूनी बारिश 94.4 प्रतिशत यानी सामान्य से नीचे था। आईएमडी के मुताबिक, उससे पहले 2022 का मानसून एलपीए के 106 प्रतिशत पर सामान्य से ऊपर था; जबकि 2021 में दीर्घावधि औसतन मानसूनी बारिश 99 प्रतिशत पर सामान्य दर्ज की गई थी और 2020 में 109 प्रतिशत पर फिर से सामान्य से ऊपर दर्ज की गई थी।

अब पांचवें चरण के चुनाव में 159 प्रत्याशी दागी, 227 करोड़पति

नई दिल्ली। देश में इस वक्त चुनाव की सरगर्मी है। 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा के चुनाव हो रहे हैं। तीन चरणों के लिए मतदान हो चुका है जबकि चौथे चरण का मतदान सोमवार को हो रहा है। पांचवें चरण के नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस बीच, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने पांचवें चरण में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। इस चरण में कुल 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं जिनके शपथपत्रों का विश्लेषण किया गया है। एडीआर ने सोमवार को जारी किए एक विश्लेषण में बताया है कि पहले चरण में 695 उम्मीदवारों से 159 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं 227 उम्मीदवार करोड़पति हैं।

उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि

695 में से 159 (23 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 122 (16 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तीन उम्मीदवारों ने अपने ऊपर दोषसिद्ध मामले घोषित किए हैं। चार उम्मीदवारों ने अपने ऊपर हत्या (आईपीसी-302) से जबकि 28 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ हत्या के प्रयास (आईपीसी-307) से जुड़े मामले घोषित किए हैं। महिलाओं के ऊपर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित करने वाले उम्मीदवार 29 हैं। इन 29 में से एक उम्मीदवार के ऊपर दुष्कर्म (आईपीसी-376) से जुड़ा मामला दर्ज है। इसके अलावा, भड़काऊ भाषण से जुड़े मामले घोषित करने वाले कुल 10 उम्मीदवार हैं।

ये हैं दलवार आंकड़े

पांचवें चरण में सपा के सभी 10 में से पांच उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। वहीं, शिवसेना के छह में से तीन, एआईएमआईएम के चार में से दो, भाजपा के 40 में से 19, कांग्रेस के 18 में से आठ, टीएमसी के सात में से तीन, शिवसेना (यूबीटी) के आठ में से तीन और राजद के पांच में से एक उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उम्मीदवारों की संपत्ति का लेखा-जोखा

695 में से 33 प्रतिशत यानी 227 उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे ज्यादा भाजपा के 36 उम्मीदवार करोड़पति हैं। एआईएमआईएम के चार में से दो उम्मीदवार करोड़पति हैं। चुनावी हलफनामों में इन प्रत्याशियों ने एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति घोषित की है। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में हर उम्मीदवार के पास औसतन 3.56 करोड़ की संपत्ति है। दलवार आंकड़ों पर गौर करें तो एनसीपी (शरद गुट) के दो उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा औसतन संपत्ति 54.64 करोड़ की संपत्ति है।

मतदान के बीच गरज-चमक के साथ बारिश, तेज हवा से टेंट उड़े

इंदौर। इंदौर और आसपास के इलाकों में सोमवार शाम अचानक मौसम बदल गया। इंदौर, शाजापुर और धार समेत कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। कहीं-कहीं ओले भी गिरे। जिससे कई जगहों पर मतदान केंद्रों पर लगे टेंट उड़ गए। जिससे मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंदौर में दिनभर तेज गर्मी और उमस के बाद शाम को बदले मौसम ने लोगों को राहत दी। शाम पांज बजे बायपास, अन्नपूर्णा सहित कई इलाकों में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने इंदौर में यलो अलर्ट जारी किया हुआ है। विभाग ने सुबह ही संभावना जताई थी कि इंदौर में दोपहर के बाद हल्की बूंदाबांदी के साथ 40 से 50 kmph प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

आईएमडी भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से मध्यप्रदेश में ओले, बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने या चमकने का दौर चल रहा है। 15-16 मई तक ऐसा ही मौसम रहेगा। कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। 40 से 60 kmph प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

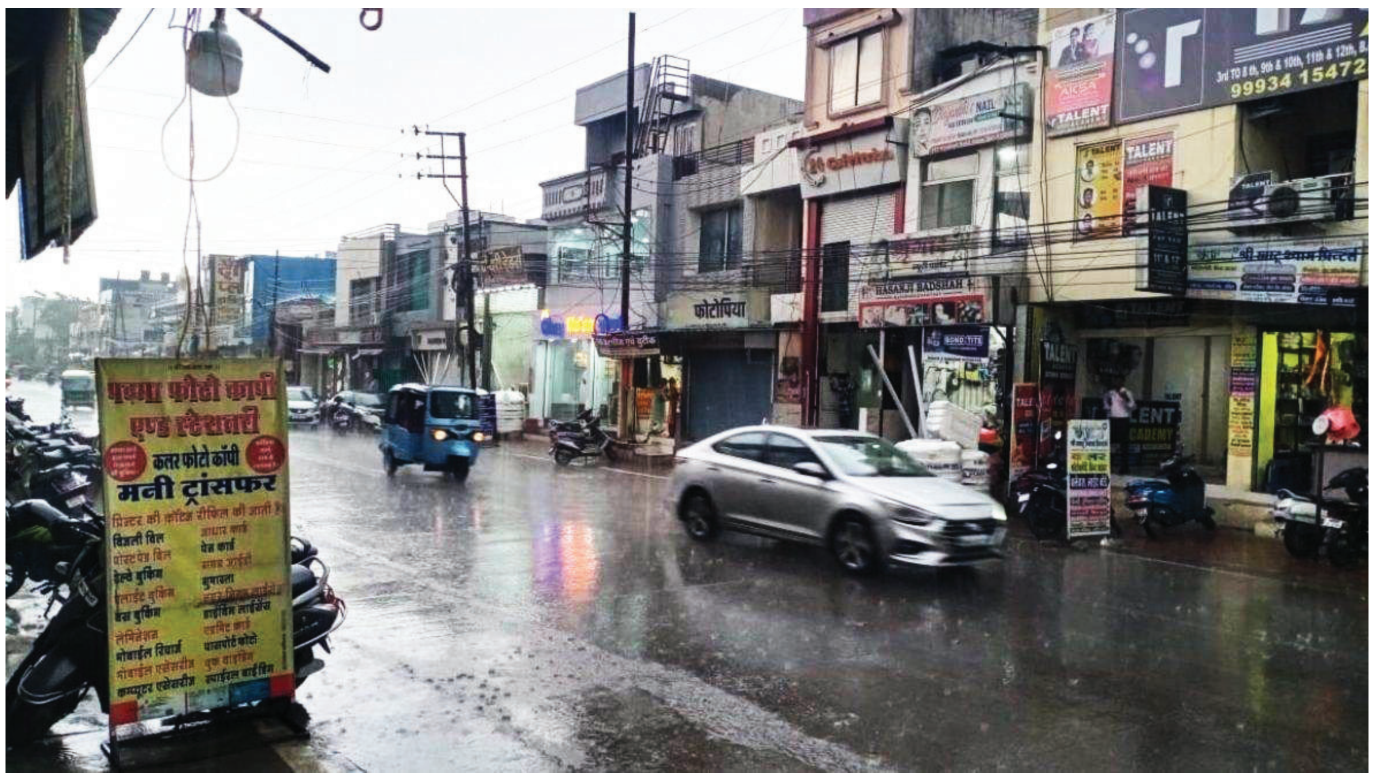

कई जगह ओले गिरे

धार जिले के सादलपुर पोलिंग बूथ में इतने ओले गिरे कि लोग ओले इक्कठे करते दिखे। मतदान के आखिरी समय में शाम को इंदौर, रतलाम, धार, झाबुआ और शाजापुर में पानी गिरा। इसके अलावा, छिंदवाड़ा में भी पानी गिरा। इंदौर में वोटिंग के दौरान आखिरी घंटे में शाम करीब पांच बजे बारिश शुरू हो गई। बायपास इलाके में करीब चार बजे तेज हवा के साथ ओले भी गिरे। शाजापुर, झाबुआ के जोबट, रतलाम में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। तेज हवा के कारण मतदान केंद्रों पर लगा टेंट भी उड़ गया। कई जगह ओले भी गिरे। शहरी क्षेत्र की बिजली भी गुल हो गई। शाजापुर में तेज बारिश के कारण मतदान केंद्र पर लगा टेंट गिर गया। वहां बिजली भी गुल हो गई। बदनावर विधानसभा क्षेत्र में शाम को तेज हवा के बारिश हुई। नींबू के आकार के ओले भी गिरे। इससे सड़क पर बर्फ की सफेद चादर जैसी बिछ गई।

आज यहां दिखेगा बदले हुए मौसम का असर

मंगलवार को झाबुआ, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और सिवनी में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, आलीराजपुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, इंदौर, शाजापुर, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, विदिशा, सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, मंडला, डिंडोरी और बालाघाट में बूंदाबांदी होने का अलर्ट है। यहां 30 से 40 kmph प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

कल के लिए मौसम का पूर्वानुमान

15 मई को छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और सिवनी में ऑरेंज अलर्ट है। यहां तेज हवा भी चल सकती है। बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, कटनी, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार और अलीराजपुर में गरज-चमक और बादल का मौसम रहेगा।

16 मई के लिए यह है पूर्वानुमान

16 मई को झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट और डिंडोरी में बादल रहेंगे।

मौसम विभाग की चेतावनी

पश्चिमी धार, झाबुआ, अलीराजपुर और रतलाम में बिजली के साथ ओलावृष्टि (हवा की गति 85 किमी प्रति घंटा तक) जारी रहने की संभावना है। साथ ही भिंड, आगर, मंदसौर, धोलावाड़, इंदौर, आंध्र प्रदेश, गांधी सागर अभयारण्य, पूर्वी धार, मांडू, उत्तर खरगोन, महेश्वर, उज्जैन, महाकालेश्वर और बड़वानी, बावनगजा में बिजली के साथ मध्यम तूफान, ओलावृष्टि (हवा की गति 60 किमी प्रति घंटा तक) के साथ-साथ मुरैना, श्योपुर कलां, दतिया, ग्वालियर, आंध्र प्रदेश, राजगढ़, शाजापुर, देवास, नीमच, दक्षिण खरगोन, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में रात के समय बिजली के साथ हल्की धूल भरी आंधी, हल्की आंधी आने की संभावना है।

यह है आईएमडी का पूर्वानुमान

आईएमडी के ताजा पूर्वानुमान में कहा गया है कि मौजूदा समय में दक्षिण कर्नाटक के आंतरिक भाग के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन और निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ट्रफ रेखा बनी हुई है, जो उत्तर-पश्चिमी मध्यप्रदेश तक जा रही है। इसकी वजह से अगले 5 दिनों के दौरान मध्यप्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज, बिजली और तेज हवा (40-60 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की और मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक मंगलवार को मध्यप्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है। इसके अलावा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

नाराज लड़की वालों ने कराई लड़के के छोटे भाई की हत्या

12वीं के स्टूडेंट की हत्या में शूटर का इस्तेमाल

इंदौर। इंदौर के आजाद नगर में रविवार देर रात गोली मारकर 12वीं के स्टूडेंट की हत्या कर दी गई। मामला प्रेम विवाह से जुड़ा है। स्टूडेंट के बड़े भाई ने प्रेम विवाह कर लिया था जिससे लड़की के परिजन नाराज थे। देर रात वह घर आए और छोटे भाई की हत्या कर दी। लड़की के पिता आरिफ ने हत्या से इनकार किया है। हत्या शूटर से करवाई गई है। लड़के के परिजन ने हत्या का आरोप आरिफ पर लगाया है।

मोइन खान (18) पिता रफीक खान की रविवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। आजाद नगर में रहने वाले आरिफ का आरोप था कि मोइन का बड़ा भाई मुबस्सिर उनकी बेटी खिलजी को भगाकर ले गया है। मुबस्सिर ने खिलजी से शादी भी कर ली है और इस बात से पूरा परिवार नाराज है। रफीक ने कहा कि घटना रविवार देर रात 12 बजे की है। रात में एक लड़का हमारे यहां पहुंचा और कहा कि शादी के कार्ड बांटना है। रफीक ने कहा कि मैं उसे नहीं जानता था लेकिन बेटा मोइन जानता था। इसलिए वह उसके साथ चला गया। उसके जाने के करीब 15 मिनट बाद कुछ लोग मेरे घर पहुंचे और उन्होंने बताया कि मोइन को गोली मार दी है। मैं मौके पर पहुंचा तब तक मोइन को अस्पताल ले जा चुके थे। मैं पत्नी के साथ एमवाय अस्पताल पहुंचा। यहां मोइन का शव स्ट्रेचर पर पड़ा था।

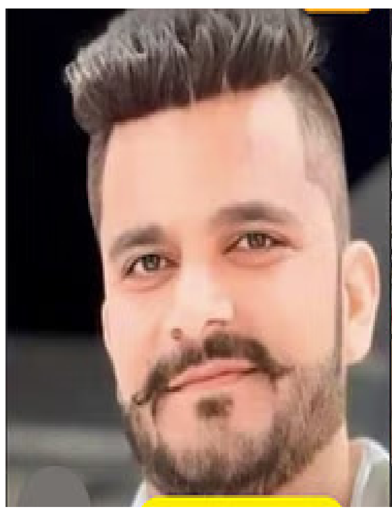

तेरा एक बेटा छीन लूंगा मैं

पुलिस ने बताया कि आजाद नगर में नूरानी मस्जिद के पास मोइन की हत्या हुई। आरिफ निवासी स्काय अपार्टमेंट स्नेहलतागंज, नाहीद जाटू निवासी खजराना, युसुफ अंसारी निवासी बड़वाली चौकी और वसीम चौहान निवासी खंडवा ने मोइन को गोली मारी है। मोइन के पिता रफीक ने बताया कि पहले भी आरिफ मोइन पर हमला करवा चुका है। इस मामले में उन्होंने आजाद नगर थाने में शिकायत की थी। लेकिन वहां सुनवाई नहीं हुई। मोइन 12वीं क्लास की पढ़ाई कर रहा था। रफीक ने बताया कि आरिफ ने थाने में बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जब हम थाने पहुंचे तो यहां आरिफ ने धमकी दी थी कि उनकी बेटी लौटा तो नहीं तो एक बेटे को छीन लेगा।

चार महीने से हो रही थी हत्या की प्लानिंग

पुलिस ने बताया कि आरिफ खिलजी चार महीने से हत्या की प्लानिंग कर रहा था। उसने इंदौर के कई शूटर्स से बात भी की। इंदौर से काम नहीं बनने पर उसने खंडवा से वसीम को हायर किया और इसके बाद मोइन की हत्या करवा दी। मोइन के पिता पेशे से मैकेनिक हैं। भाई मुबस्सिर सेल्समैन है। उसका एक बड़ा भाई परिवार से अलग रहता है।

कान की तरह सुनने और आंख की तरह देखने वाली छड़ी

इंदौर। एसजीएसआइटीएस के छात्रों ने दिव्यांगों के जीवन को आसान बनाने के लिए उपकरण विकसित किया है। उपकरण सामने आने वाली बाधाओं का पता लगाकर सुरक्षित चलने में मदद करता है। इसका नाम अल्ट्रा सोनिक बेस्ड ब्लाइंड पर्सन स्टिक है। यह कान की तरह सुनकर आंख की तरह काम करता है। इसे बनाने वाले विद्यार्थियों को आइआइटी मुंबई ई-यंत्रा स्पर्धा में बेस्ट एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला है। इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकम्युनिकेशन के एचओडी प्रो. अंजना जैन ने बताया, अभी उपयोग की जाने वाली छड़ी में सिर्फ घंटियां लगी होती हैं, जो चलते समय उनकी उपस्थिति का संकेत देती है। ये छड़ी बाधाओं से बचने और रास्ते का पता लगाने में मदद करती है। इलेक्ट्रॉनिक एंड टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के छात्र वासुदेव केशरवानी ने बताया कि इस स्टिक को बनाने में पांच से आठ हजार का खर्च आया है। जल्द ही यह बाजार में उपलब्ध होगी।

13वें नंबर पर हुआ सिलेक्ट

पहली बार पुणे में रीजनल फाइनल हुआ था, जिसमें देशभर से चार-चार ग्रुप की हजारों टीमें शामिल हुईं और उपकरणों का प्रेजेंटेशन दिया। हमारे उपकरण का चयन 13वें नंबर पर हुआ। छात्रा श्रुति मिश्रा ने बताया कि वहां के प्रेजेंटेशन के बाद आइआइटी-मुंबई ई-यंत्रा के लिए इनवाइट किया गया, जिसमें देशभर की टीमों ने अपने-अपने उपकरणों का प्रेजेंटेशन दिया। यहां 5वीं रैंक प्राप्त हुई। हमारी टीम को बेस्ट एप्रिसिएशन का अवार्ड भी मिला।

3 से 5 मीटर पहले करेगी अलर्ट

प्रो. मनीष पांचाल ने बताया कि स्टिक में लोअर, अपर-मिडिल में अलग-अलग प्रकार के साउंड सेट हैं, जो ऑब्जेक्ट को बताने में मदद करेंगे। इसमें 3 सेंसर हैं। ऊपर, बीच में और नीचे की ओर बाधा आने पर अलग-अलग आवाज आएगी। साउंड के साथ ईयरफोन व बैटरी भी है। दिव्यांगों को 3-5 मीटर पहले ही बाधा की जानकारी मिल जाएगी। वे सुरक्षित रहेंगे। इस छड़ी को बनाने का आइडिया विद्यार्थियों का है। इसमें पूरा सिस्टम ऑटोमेटिक है।

22 साल के लैब कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत

मोबाइल चलाते समय सीने में उठा था दर्द

इंदौर। इंदौर में 22 साल के युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। रविवार रात में उसके सीने में अचानक दर्द हुआ। पिता से कहा कि तेल से मालिश कर दे। लेकिन जब हालत नहीं सुधरी तो उसने एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक इप्का लैबोरेटरी में काम करता था।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक भारत सिंह (22) पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी न्यू दुर्गा नगर को रविवार रात 2 बजे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने चेक अप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पिता लक्ष्मण ने बताया कि रात में वह मोबाइल चला रहा था। उसके सीने में अचानक दर्द हुआ। उसने पिता से कहा कि तेल से मालिश कर दो। लेकिन इसके बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। तब वे एमवाय अस्पताल लेकर आए। परिवार के लोगों ने बताया कि वह दोस्त के यहां शादी में गया था। 12 बजे करीब वापस आया। इसके बाद अपने चचेरे भाई जितेन्द्र के पास लेटकर मोबाइल चला रहा था। तभी उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई।

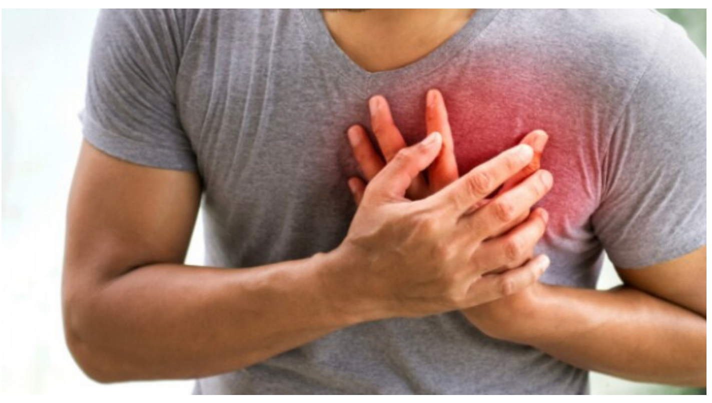

इकलौता बेटा, अगले साल थी शादी

पेशे से स्कूल बस ड्राइवर पिता लक्ष्मण ने बताया कि भारत उनका इकलौता बेटा था। उनकी एक बेटी है। परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। यहां बेटा-बेटी दोनों की शादी पक्की कर दी थी। अगले साल दोनों की शादी थी।

कांच कारीगर को भी हुई घबराहट, मौत

इंदौर के बाणगंगा के महेश यादव नगर में रहने वाले महेन्द्र (45) पुत्र चंद्रपाल सिंह गौतम निवासी महेश यादव नगर की भी संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। रिश्तेदार प्रतीक ने बताया कि महेन्द्र शाम को काम से आए और उन्होंने पत्नी को खाना बनाने के लिये कहा। इसके बाद वह लेट गए। उन्हें घबराहट हुई और वह बिस्तर पर ही अचेत हो गए। उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक हार्ट अटैक के चलते मौत का कारण सामने आ रहा है। तीन चार दिन पहले भी महेश को घबराहट हुई थी। उनके दो बेटे हैं। वह कांच कारीगरी का काम करते थे।

शादी के 8 दिन बाद ही नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी में आठ दिन पहले ब्याह कर आई एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई। बताया जाता है कि उसके हाथ पैर में सूजन आ रही थी। रविवार को उसे उल्टियां होने लगी। पति ने पत्नी की दादी को कॉल कर बुलाया और निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरो ने एमवाय रेफर कर दिया। कुछ देर बाद नवविवाहिता ने दम तोड़ दिया।

द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक सलोनी पति विकास मंडलोई निवासी गुरुशंकर नगर (18) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक सलोनी की 6 मई को ही शादी हुई थी। तब उसे बुखार आ रहा था। शादी के दो दिन बाद उसे पति बड़े गणपति में रस्म के चलते मायके छोड़ आया था।

शनिवार को मायके जाकर पति उसे वापस घर लाया। इसके बाद सलोनी की रविवार दोपहर 1 बजे वापस तबीयत खराब हो गई थी। रात में मौत हो गई।

पति का कॉल आया तो लेने पहुंचे

लड़की की दादी सुभद्रा ने बताया रविवार दोपहर विकास ने हमें कॉल करके बताया कि सलोनी के चेहरे और हाथ पैर में सूजन आ गई है। घबराहट भी हो रही है। इसके बाद सलोनी का भाई उसे लेने ससुराल पहुंचा। मरी माता चौराहे तक सलोनी को लाए तो तबीयत और बिगड़ गई। वहीं के क्लिनिक में डॉक्टर को दिखा दिया। वहां से एमवाय अस्पताल ले जाने को कहा। भाई उसे लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने उपचार करने के कुछ ही देर में बताया कि सलोनी की मौत हो गई।

खरगोन का रहने वाला है परिवार

परिवार के मुताबिक सलोनी के मायके में उसके माता-पिता, भाई, बड़ी बहन है। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। सलोनी के लिए रिश्ता उसकी दादी ने ही ढूंढा था। पुलिस के मुताबिक अभी मर्ग कायम किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पूरी जानकारी सामने आएगी।

मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित

facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com इंदौर, मंगलवार, 14 मई 2024 नगर संस्करण, वर्षः 04, अंकः 262, पृष्ठ : 08, मूल्यः 5.00 रुपए

लोकसभा चुनावः 25 लाख 26 हजार 803 इंदौरी मतदाताओं में से लगभग साढ़े 15 लाख ने ही किया मतदान, नोटा का भी रहा असर

इंदौर में इस बार 8 प्रतिशत कम मतदान

इंदौर। इंदौर में सुबह मौसम खुशनुमा था। इस बीच चुनावी बयार भी नजर आई। श्रमिक क्षेत्र, बाणगंगा, संगम नगर, अन्नपूर्णा क्षेत्र के बूथों पर कतारें दिखाई दी। धूप से बचने के लिए लोग सुबह जल्दी वोट डालने निकल गए थे। कुछ बूथों पर तो मतदान शुरू होने से पहले ही लोग वोट डालने आने लगे थे। ज्यादातर बूथों के बाहर कांग्रेस की टेबलें नजर नहीं आई। हरसिद्धि क्षेत्र में कांग्रेस नेता नोटा की टेबल लगाकर बैठे थे। जिसे पुलिस अफसरों ने हटवा दिया। बूथों के भीतर कांग्रेस के अभिकर्ता डटे नजर आए। वे निर्दलीय उम्मीदवारों के एजेंट के रूप में भीतर बैठे हुए थे।

शहर में बड़ी संख्या में साइकिलिंग, मार्निंग वाकर्स और योगा ग्रुप्स हैं। सभी ने पहले वोट डाला और फिर व्यायाम करने के लिए निकले। इंदौर में सुबह बादल छाए थे लेकिन मौसम में ठंडक के बावजूद वोटिंग का प्रतिशत सुबह कम रहा। दोपहर में तेज धूप निकली और 12 बजे से वोटिंग प्रतिशत सुधरना चालू हुआ, लेकिन इस बार वोटिंग पर्सेंट पिछली बार की तुलना में करीब 8 परसेंट कम रहा । शाम 6 बजे तक 61.10 परसेंट वोटिंग हुई। इस तरह कुल 25 लाख 26 हजार 803 मतदाताओं में से लगभग साढ़े 15 लाख ने ही वोट डाला है। इंदौर में वोटिंग कम होने के कयास पहले से ही लगाए जा रहे थे। इसमें कांग्रेस प्रत्याशी के नाम वापस लेने से कांग्रेस की नोटा मुहिम, लॉन्ग वीक एंड होने से लोगों के शहर से बाहर जाने और गर्मी के तीखे तेवर को कारण माना जा रहा था। लेकिन ऐन वक्त पर दो और कारण ऐसे जुड़ गए जिनके चलते वोटिंग प्रतिशत पिछली बार की तुलना में काफी कम रहा। हालात ये हो गए कि वोटिंग का टाइम खत्म होने से एक घंटा पहले मप्र सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को वीडियो मैसेज जारी कर लोगों से वोट डालने की अपील तक करना पड़ी।

दस साल पहले के वोटिंग प्रतिशत से भी कम मतदान

इंदौर में इस बार का वोटिंग प्रतिशत दस साल पुराने 2014 के वोटिंग परसेंट (62.25) पर आ गया। इससे पहले पिछली बार 2019 में वोटिंग परसेंट 69.56 रहा था। तब कुल 16 लाख 29 हजार 595 वोट डले थे। जिसमें से बीजेपी प्रत्याशी को 10 लाख 68 हजार 569 और कांग्रेस उम्मीदवार को 5 लाख 20 हजार 815 वोट मिले थे। बीजेपी प्रत्याशी ने 5 लाख से ज्यादा वोटों से पिछला चुनाव जीता था। इस बार साढ़े 15 लाख वोट पड़े हैं। कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में नहीं था। कांग्रेस ने लोगों से नोटा में वोट डालने की अपील की। ऐसे में अब ये कयास लगाए जा रहे है कि इसमें से नोटा को कितने वोट मिले होंगे। बीजेपी प्रत्याशी की जीत का मार्जिन अबकी बार क्या रहेगा। इन सभी सवालों से पर्दा 4 जून को चुनाव नतीजों के साथ उठेगा।

आखिरी एक घंटे में अचानक बारिश

इंदौर में लोकसभा चुनाव की वोटिंग के दौरान आखिरी एक घंटे में अचानक बारिश शुरू हो गई। शहर के बायपास इलाके में तकरीबन 4 बजे से तेज हवा के बाद बारिश शुरू हुई और ओले भी गिरे। पिछली बार 69 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार शाम 5 बजे तक दस घंटे में 56.53 फीसदी मतदान हो गया। शाम 6 बजे मतदान केंद्रों पर प्रवेश बंद कर दिया गया। जो लोग इस समय तक अंदर आ चुके थे, सिर्फ वो ही मतदान कर पाए।

कलेक्टर आशीष सिंह और आयुक्त नगर निगम शिवम वर्मा वोटिंग के लिए कतार में खड़े रहे और अपनी बारी आने पर ही मतदान किया।

कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता भिड़े

वोटिंग के दौरान राऊ और नंदा नगर के सुगनी देवी कॉलेज परिसर में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। वहां पुलिस और सुरक्षा बल पहुंचे। विवाद कर रहे कार्यकर्ताओं को अलग किया। बताया जा रहा है कि यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों को नोटा पर वोट देने के लिए कह रहे थे। विधानसभा चार के बूथ क्रमांक 43 रामकृष्ण बाग पर पीठासीन अधिकारी शबनम खान ने भी लोगों को नोटा पर वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इस पर विधायक मालिनी गौड़ ने आपत्ति ली और निर्वाचन अधिकारियों से शिकायत दर्ज करवाई।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विनोद यादव के मकान पर पथराव

इंदौर में कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष विनोद यादव के मकान पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। विनोद का दिन में नंदा नगर पोलिंग बूथ पर विवाद हुआ था। शाम को उनके घर पर 15-20 लोग आए और विवाद करने लगे, इसके उन्होंने घर पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिए। बाहर खड़ी कार के शीशे भी फोड़ दिए। दरवाजे व खिड़की पर भी पथराव हुआ। विनोद यादव ने आरोप लगाया कि यह भाजपा के गुंडों ने घर आकर मारपीट की है। विवाद और पथराव की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

शहर के कई पोलिंग बूथ के बाहर वोटर सेल्फी पॉइंट बनाए गए, मतदान के बाद अलग-अलग बूथ पर कई मतदाता फोटो क्लिक कराते नजर आए

25 जगह ईवीएम में आई खराबी

जिले के ढाई हजार बूथों में से करीब 25 जगह मशीनों को तकनीकी खराबी के कारण बदला गया। इंदौर में ऐसा कोई बूथ नहीं रहा जहां चुनाव का बहिष्कार हुआ हो। सभी जगह वोट डाले गए।

गिने-चुने बूथों पर थी अन्य प्रत्याशियों की टेबलें

पहली बार कांग्रेस की गैरमौजूदगी के कारण भाजपा के पोलिंग एजेंट हर बूथ पर रहे। जबकि विपक्ष या अन्य प्रत्याशियों की टेबलें गिने-चुने बूथों के बाहर ही रहीं। कलेक्टर आशीषसिंह ने बताया मॉक पोल के बाद निर्धारित समय पर सभी मतदान केंद्रों में वोटिंग शुरू हुई।

तीन नंबर विधानसभा सीट पर सबसे कम मतदान

इंदौर की तीन नंबर विधानसभा सीट पर वोटरों की रुचि कम रही। सुबह 11 बजे इस सीट पर 20.18 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि दूसरी सीटों पर 25 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका था। इंदौर जिले में सुबह 11 बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग देपालपुर विधानसभा सीट पर हुई। यहां 30.80 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी थी। दूसरे नंबर पर राऊ विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा 26 प्रतिशत वोटिंग हुई।

56 दुकान पर लगी लाइन

इंदौर के 56 दुकान पर मतदान करके आने वालों को सुबह फ्री पोहा जलेबी दिया गया। इसके साथ बुजुर्गों और पहली बार मतदान करने वालों को आइस्क्रीम और कोल्ड्रिंग्स भी फ्री मिली। पोहा जलेबी खाने वालों की लाइन 10 बजे तक लगी रही। एसोसिएसन ने कहा था कि 9 बजे तक ही फ्री पोहा जलेबी मिलेगा लेकिन लोगों का उत्साह और बढ़ती हुई भीड़ देखते हुए 10 बजे के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा।

वोटिंग के लिए छुट्टी नहीं देने पर एक कैफे सील

इंदौर में वोटिंग के लिए कर्मचारियों को छुट्टी नहीं देने पर एक कैफे सील किया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने मतदान के लिए छुट्टी न देने वाले सभी तरह के संस्थानों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि जो व्यावसायिक संस्थान अपने कर्मचारियों को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश नहीं दे रहे हैं, उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर के निर्देश पर एडीएम सपना लोवंशी एवं पांच अन्य एसडीएम की टीम ने उन सूचनाओं पर कार्रवाई की।

सेवानिवृत्त अधिकारियों ने किया मतदान

इंदौर के विजय नगर स्थित स्कीम नंबर 54 में ज्ञान चबूतरा से जुड़े सेवानिवृत्त अधिकारी, चिकित्सक और वरिष्ठ नागरिक का समूह ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। समूह के सभी सदस्यों ने एक साथ केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया और उद्यान में एकत्र होकर समूह फोटो लेकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एडीजी मदन राने, पूर्व एसपी राजेश जायसवाल, पूर्व डीएसपी अशोक सोलंकी, पूर्व डिप्टी कमिश्नर एक्साइज नरेंद्र कुरील और डा. बीएस अग्रवाल सहित अन्य अफसर शामिल रहें।

तीन दिन की छुट्टी के कारण लोग बाहर चले गए

इंदौर में इस बार कम मतदान की वजह तीन दिन की छुट्टी भी रही। सोमवार को वोटिंग से पहले वीक एंड की वजह से लोग छुट्टी पर निकल गए। 3 दिन की लगातार छुट्टी लोगों को मिली। सेकेंड सेटर डे,रविवार और सोमवार को वोटिंग के लिए छुट्टी के चलते कई लोग शहर से बाहर घूमने चले गए। जिसके कारण भी वोटिंग पर्सेंट गिरा। कांग्रेस प्रत्याशी नहीं होने पर कई लोगों ने मतदान में रुचि नहीं दिखाई और परिवार सहित बाहर चले गए।

चुनाव नीरस होने का वोट प्रतिशत पर पड़ा असर

ऐसा पहली बार हुआ जब इंदौर में लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी मैदान में नहीं था। कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय बम ने 29 अप्रैल को नामांकन वापस ले लिया और बीजेपी में शामिल हो गए। कांग्रेस ने इसके बाद लोगों से नोटा में वोट डालने की अपील की। बीजेपी ने भी अपनी तरफ से पूरी कोशिश की कि लोग नोटा में वोट नहीं डाले। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से चुनाव एक तरह से नीरस हो गया। जिसका असर वोट पर्सेंट पर पड़ा।

तेज धूप और गर्मी ने भी मतदान पर डाला असर

तेज धूप, गर्मी और उमस ने भी लोगों को परेशान किया। दिन में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा। गर्मी के बीच भी मतदान केंद्रों पर लोगों की भीड़ नजर आई, लेकिन फिर भी कई लोग घरों से वोट डालने के लिए नहीं निकले। आखिरकार स्थिति ये बनी की पिछले लोकसभा चुनाव में जो पर्सेंट था उस तक पहुंच पाना मुश्किल हो गया। इस बार का वोट पर्सेंट 2014 के वोटिंग पर्सेंट के आसपास पहुंच गया।

सीबीएसई के रिजल्ट में उलझ गए मतदाता

सोमवार सुबह सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित कर दिए। परिवार के सदस्य बच्चों के रिजल्ट में उलझ गए। कई पहली बार के वोटर रिजल्ट आने पर व्यस्त हो गए। शाम तक रिजल्ट को लेकर कई परिजन बच्चों के साथ व्यस्त रहे। कांग्रेस प्रत्याशी नहीं होने सहित अन्य समीकरण बनने से भी मतदान केंद्रों तक लोग नहीं पहुंचे।

व्हीलचेयर पर डालने पहुंचे वोट

सुबह से वोट डालने वालों में युवा, पुरुष और महिलाएं सभी शामिल रहे। इसमें कुछ ऐसे लोग भी थे, जिनके हौसले का कोई जवाब नहीं। सुबह अपने मताधिकार का उपयोग करने 86 वर्षीय रमेश चंद्र व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंचे। रमेश चंद्र का कहना था कि वे अपनी दिव्यांगता को अपनी जिम्मेदारी के बीच नहीं आने देते। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों बाद हमें यह अधिकार मिलता है, इसे यूंहीं नहीं गंवाना चाहिए।

भारतीय श्रमशक्ति ने पूरी दुनिया में दिखाया अपना जलवा

> विदेश में काम कर रहे भारतीयों ने स्वदेश पैसा भेजने के मामले में नया रेकॉर्ड बना दिया है। हाल में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने रेमिटेंस के आंकड़े जारी किए। इनके मुताबिक भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में रेकॉर्ड 111 अरब डॉलर मिले। यह दुनिया में सबसे अधिक है।

विदेश में काम कर रहे भारतीयों ने स्वदेश पैसा भेजने के मामले में नया रेकॉर्ड बना दिया है। हाल में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने रेमिटेंस के आंकड़े जारी किए। इनके मुताबिक भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में रेकॉर्ड 111 अरब डॉलर मिले। यह दुनिया में सबसे अधिक है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि यह राशि भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से अधिक है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ 108 अरब डॉलर है। इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला दुनिया का पहले देश बन गया है। अनुमान के मुताबिक भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं। प्रवासी भारतीयों की सबसे ज्यादा आबादी यूएई, अमेरिका और सऊदी अरब में है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन की जारी वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 में कहा गया है कि साल 2022 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं। रेमिटेंस का मतलब प्रवासियों द्वारा मूल देश में मित्रों और रिश्तेदारों को भेजे गए पैसों से है। लो और मिडिल इनकम वाले देशों को 2022 में एफडीआई और ऑफशियल डेवलपमेंट असिस्टेंट से ज्यादा रेमिटेंस मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में भारत सबसे ऊपर ऊपर रहा। उसे 111 अरब डॉलर से अधिक धनराशि मिली, जिसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर तक पहुंचने और बल्कि इस आंकड़े को पार करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। मेक्सिको 2022 में रेमिटेंस के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। यह स्थान उसने 2021 में चीन को पीछे छोड़कर हासिल किया था। इससे पहले तक चीन भारत के बाद ऐतिहासिक रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है।

यह भारत के लिये गौरव की बात है कि सारी दुनिया में भारतीय कामगारों ने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। इस तरह भारत दुनियाभर में भारतवंशियों की कमाई से सबसे ज्यादा धन प्राप्त करने वाले देश के रूप में स्थापित हुआ है। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को दिखाता है। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव को ही बताता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अपने देश में धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिए हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है। खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष तौर पर अर्द्ध-कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था। बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा। जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे। वहीं अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं। बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिये ठोस प्रयासों की जरूरत है।

रस, रंग और राग से भरा हुआ बनारस

दिनेश मिश्र

> शहर-ए-बनारस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वे मंगलवार को यहां से नामांकन दाखिल करेंगे। जब उन्होंने पहली बार यहां से नामांकन दाखिल किया था तब उन्होंने कहा था कि मुझे मां गंगा ने यहां बुलाया है। सवाल यह है कि कर्नाटक हो या देश का कोई भी कोना, सभी को बनारस दर्शन की चाह क्यों है। क्या है इस शहर में जो सभी को अपनी ओर खींचता है।

शहर-ए-बनारस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वे मंगलवार को यहां से नामांकन दाखिल करेंगे। जब उन्होंने पहली बार यहां से नामांकन दाखिल किया था तब उन्होंने कहा था कि मुझे मां गंगा ने यहां बुलाया है। सवाल यह है कि कर्नाटक हो या देश का कोई भी कोना, सभी को बनारस दर्शन की चाह क्यों हैं। क्या है इस शहर में जो सभी को अपनी ओर खींचता है। आइए-सबसे पहले जानते हैं बनारस शहर के नाम की। कैसे इस शहर का नामकरण हुआ और इसका रंग लोगों की जुबां पर कैसे चढ़ा, दोनों के बारे में जानते हुए आगे बढ़ते हैं।

अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन ने कहा था- बनारस इतिहास से भी पुराना है और परंपराओं से भी प्राचीन है। यह शहर है ही ऐसा। रस, रंग और राग से भरा हुआ। सदियों से हमारी सभ्यता के केंद्र में रहा। गंगा के किनारे फलते-फूलते इस आध्यात्मिक शहर का जिक्र इतिहास और पुराण दोनों में मिलता है। गरुण पुराण में देश के आध्यात्मिक गौरव की गाथा बताने वाले 7 शहरों का जिक्र किया गया है, जिनमें काशी भी है।

अयोध्या मथुरा माया काशी कांची अवंतिका।
पुरी द्वारवती चैव सत्तैता मोक्षदायिका ।

यानी अयोध्या, मथुरा, माया यानी हरिद्वार, काशी, कांचीपुरम, अवंतिका यानी उज्जैन, द्वारिकापुरी ये सातों नगर मोक्ष देने वाले और पवित्र हैं। ये नगर अलग-अलग देवी-देवताओं से जुड़े हैं। जैसे-अयोध्या श्रीराम, मथुरा और द्वारिका श्रीकृष्ण, वाराणसी और उज्जैन शिवजी, हरिद्वार विष्णुजी और कांचीपुरम माता पार्वती से संबंधित है। कभी उत्तर भारत में सत्ता का केंद्र बने कन्नौज के सम्राट हर्षवर्धन के काल में आए चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भी बनारस यानी काशी का जिक्र अपने संस्मरण में किया है।

अमेरिका में हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर डायना एल ऐक ने अपनी किताब बनारसः सिटी ऑफ लाइट में लिखा है कि वाराणसी का सबसे पुराना नाम काशी है। भगवान शिव की नगरी होने के नाते काशी को कशिका भी कहा जाता है यानी चमकता हुआ शहर। वहीं, बौद्ध जातक कथाओं और पुराणों में काशी को वाराणसी ही बोला गया है। मत्स्य और शिव पुराण में इस शहर को वाराणसी ही कहा गया है।

बौद्धों की भाषा पाली में इसे बनारसी कहा गया। आम लोगों की जुबान पर बनारस नाम ही ज्यादा तेवर लिए हुए चढ़ा। ब्रिटिश काल में इसे बेनारस कहा जाने लगा। हिंदुस्तान की आजादी के बाद 24 मई, 1956 को इस शहर का आधिकारिक नाम वाराणसी कर दिया गया। जो यहां बहने वाली वरुणा और असी नदियों से घिरी है। यही वरुणा उत्तर में गंगा से मिल जाती है। इसी काशी को अविमुक्त, नंदवन, रुद्रवास और काशिक जैसे नामों से भी बुलाया गया। नाम भले ही कई पड़े, मगर जो मजा बनारस कहने में है, वो किसी और में नहीं। क्योंकि इस शहर के नाम में इतना रस जो है।

1820 में एक अंग्रेज जेम्स प्रिंसेप ईस्ट कंपनी के अधिकारी बनकर बनारस आए। 1830 तक वे बनारस में रहे। उन्होंने पहली बार बनारस की साइंटिफिक जनगणना करवाई। पहली बार प्रिंसेप ने ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपि को पढ़कर बताया कि सिक्कों-अभिलेखों पर लिखा पियदस्सी सम्राट अशोक ही है। जेम्स प्रिंसेप की पुस्तक है बनारस

इलेस्ट्रेटेड, इसमें वो आर्टिकल्स हैं जिसे प्रिंसेप ने बनारस में रहते हुए लिखा था। प्रिंसेप ने पहली बार बनारस की थ्रीडी पेंटिंग व नक्शा बनवाया। इसमें एक-एक गली और चौराहों के बारे में विस्तार से बताया गया है।

सीएन ट्रैवलरडॉट कॉम में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, बनारस, रोम, बेथलहेम दुनिया के टॉप 19 पवित्र शहरों में शामिल है, जो लोगों को अपनी ओर बुलाता है। गंगा के किनारे दूर-दूर तक फैले बनारस के तकरीबन 88 घाटों पर बैठकर कोई योगी ध्यान लगाता है तो कोई आध्यात्मिक शांति की चाह में यहां घंटों बैठा रहता है। कोई गंगा में डुबकी लगाकर यहां जीवन तलाशता है तो कोई गंगा में अठखेलियां करती सूरज की किरणों को घंटों निहारने में वक्त बिता देता है। कई घाट तो ऐसे हैं, जहां रागों की रचना होती है तो किसी को यहां चाय की चुस्कियों के साथ राजनीति पर चर्चा से ही फुरसत नहीं। यहां जीवन के पहले संस्कार मुंडन से लेकर आखिरी संस्कार चिता में समाती देह दिख जाया करती है।

बनारस के सबसे लोकप्रिय घाटों में अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, मणिकर्णिका घाट, पंचगंगा घाट और आदि केशव घाट हैं। इसके अलावा, अस्सी, गंगामहल, तुलसी, जानकी, चेतसिंह, शिवाला, हनुमान, पंचगंगा, केदार, सोमेश्वर जैसे घाट भी चर्चित हैं। अधिकतर घाट मराठा साम्राज्य के समय में 1700 ईसवी के आसपास बनाए गए थे। आज भी कई घाटों का मालिकाना हक मराठा, सिंधिया, होल्कर, भोंसले और पेशवा परिवार के पास है।

बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर केके मिश्रा कहते हैं कि विश्वनाथ मंदिर के करीब बने दशाश्वमेध घाट के बारे में पुराणों में कहा गया है कि इसे ब्रह्माजी ने भगवान शिव के स्वागत करने के लिए बनाया था। वहीं, मणिकर्णिका घाट के बारे में एक दिलचस्प किस्सा है। भगवान शिव अकसर घूमते रहते थे। उनकी इसी आदत पर रोक लगाने के लिए देवी पार्वती ने यह सोचकर भगवान शिव के कान के झुमके छिपा दिए ताकि शिव हमेशा अपने गुम हुए झुमकों की तलाश में आसपास ही रहें। इसीलिए, जब भी मणिकर्णिका घाट पर किसी शव का अंतिम संस्कार होता है तो वह उस शरीर की आत्मा से पूछते हैं कि क्या तुमने मेरी बालियां देखी हैं? आज भी इन घाटों पर हर दिन तकरीबन 100 चिताएं जलती हैं। आप कभी बनारस गए हों या उसके बारे में सुना होगा तो बनारसी पान के बारे में भी जरूर सुना होगा। तो चलिए-देश और दुनिया में बनारसी पान से जुड़े किस्से भी जान लीजिए।

खइके पान बनारस वाला-खुल जाए बंद अकल का ताला। भले ही बनारसी पान आपने न खाया हो, मगर अमिताभ बच्चन की फिल्म डॉन का यह गाना तो आपने जरूर कभी न कभी गुनगुनाया होगा। पुराणों के अनुसार, पान का पहला बीज भगवान शंकर और माता पार्वती ने हिमालय के एक पहाड़ पर बोया था। यही वजह है कि पान को पवित्र पत्ता माना जाता है। कई धार्मिक कामों में तांबूल कहकर इसका इस्तेमाल भी होता है।

रामायण में जब हनुमानजी ने लंका में सीताजी से मिलकर श्रीराम का संदेश पहुंचाया तो सीताजी ने हनुमान को भेंट में पान की माला दी थी। वहीं, महाभारत युद्ध जीतने के बाद अर्जुन ने यज्ञ करने के दौरान नागलोक से पान मंगवाए थे। आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि ने भी कहा है कि पान खाने से पाचनशक्ति दुरुस्त रहती है, जबकि सुश्रुत ने बताया था कि पान गले और मुंह को साफ रखता है। पान का प्रयोग ना सिर्फ खाने में बल्कि पूजा-पाठ, शादी और आयुर्वेदिक दवाएं बनाने में भी होता है।

प्रोफेसर केके मिश्रा बताते हैं कि मुगलों को पान बेहद पसंद था। उन्होंने पान में चूना, इलायची और लौंग जैसी चीजे डालकर प्रयोग किया। शहंशाह जहांगीर की बेगम नूरजहां ने पान का इस्तेमाल खूबसूरती बढ़ाने में भी किया। वे पान को चेहरे के मेकअप के लिए इस्तेमाल करती थीं। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक पान के दीवाने थे। वहीं, अमिताभ बच्चन, अमित शाह जैसी हस्तियां भी जब बनारस आईं, तब बिना बनारसी पान खाए नहीं गईं। बनारसी पान में चूना, कत्था और सुपारी डाला जाता है, जिससे यह इतना लजीज बन जाता है कि इसे खाने वाला बनारस आने वाले हर किसी से यही कहता है-हमहूं बनारसी, तुमहूं बनारसी। यानी हम भी बनारसी और तुम भी बनारसी।

अगर आप गूगल पर बनारसी साड़ी सर्च करें तो आपको 10 लाख, 6 लाख रुपए से लेकर 1500 रुपए तक की तरह-तरह की साड़ियां देखने को मिल जाएंगी। बनारसी साड़ी में मुगल प्रेरित डिजाइन का इस्तेमाल होता है। इन साड़ियों में फ्लोरल और फोलेट मोटिफ्स, बूटी, बूटा, कोनिया, बेल, जाल, जंगला, झालर कहे जाते हैं। कहते हैं बनारसी साड़ी का यह कलात्मक रूप मुगलों के साथ फारस यानी आज के ईरान से आया। मुगलों के जमाने में बनारसी साड़ी ईरान, इराक, बुखारा शरीफ से आए कारीगर ही बनाते थे। एक बनारसी साड़ी तैयार करने में 3 कारीगरों की मेहनत लगती है, जो रेशमी धागों से तैयार होती है। अपने डिजाइन और पैटर्न की गहनता के आधार पर एक साड़ी को बनाने में 15 दिन से एक महीने तक और कभी-कभी तो 6 महीने तक का समय लग जाता है। बनारस पर इतनी बातें हो गईं तो भूख तो लग आई होगी, तो चलिए बनारसी खानपान की चर्चा कर लेते हैं।

बनारस की हर गली और नुक्कड़ सुबह से ही कचौड़ियों और आलू की सब्जी से गमकती रहती है। यहां कचौड़ी के साथ जलेबी खाने का भी चलन है। कुछ बनारसी हलवाई जलेबी बनाने वाले मैदे पर बेसन का हल्का-सा फेंट मारते हैं। जलेबियों का जायका मैदे पर बेसन का फेंटा मारने की खूबी पर निर्भर करता है। दो तरह की कचौड़ियां मिलती हैं यहां पर। एक मैदे से बनती है, जिसमें आलू के मसालों की भरावन होती है तो दूसरी आटे की होती है, जिसमें उड़द की भरावन होती है। लाल-हरी चटनी और सब्जी के साथ मजे लीजिए और निकल जाइए घाट पर, आपका दिन बन जाएगा।

अब बनारस गए हैं तो बिना ठंडाई पीने आए सफर पूरा नहीं होगा।

स्पेशल

तेरी गठरी में लागा चोर मुसाफिर जाग जरा...

आलोक जोशी

तेरी गठरी में लागा चोर मुसाफिर जाग जरा... कबीर दास ने जब यह कहा, तो इसका अर्थ बहुत गूढ़ था। मगर सामान्य भाषा में इसका अर्थ आसान है- सावधान न रहेंगे, तो कोई आपकी गठरी या जेब साफ कर सकता है। आज चूंकि आप अमूमन अपना माल-मत्ता मोबाइल फोन में ही लेकर चलते हैं, इसलिए चोरों के लिए भी आसान हो गया है कि बिना हाथ लगाए, यानी कैशलेस अंदाज में ही वे इसे साफ कर डालें। सावधानी हटी, दुर्घटना घटी वाली कहावत अब सड़क पर ही नहीं, डिजिटल दुनिया में भी चरितार्थ हो रही है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि डिजिटल लेन-देन खतरनाक है या इससे किनारा कर लेना चाहिए। मगर इतना साफ है कि लेन-देन जितना आसान होता जा रहा है, अपने पैसे और उससे जुड़ी जानकारी की हिफाजत उतनी ही जरूरी और मुश्किल होती जा रही है।

समझने में आसानी होगी यह जानकर कि डिजिटल लेन-देन की दुनिया में जालसाजी का आलम क्या है? ट्रांसयूनियन एक इन्फॉर्मेशन और इनसाइट कंपनी है। वह दुनियाभर में डिजिटल और बैंकिंग या क्रेडिट कार्ड के जरिये होने वाले लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी आंकड़े जुटाती है। दुनियाभर में लेन-देन के कारोबार में जालसाजी पर उसकी ताजा रिपोर्ट बताती है कि साल 2023 में जितना डिजिटल लेन-देन हुआ, उनमें से करीब

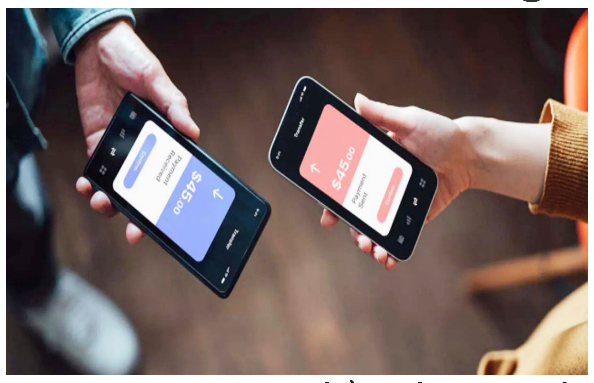

पांच प्रतिशत पर जालसाजी का शक है। लेन-देन के संदिग्ध मामलों की गिनती इस साल पिछले वर्ष के मुकाबले 14 फीसदी बढ़ी है। जालसाजी की रफ्तार कितनी तेज है, इसका नमूना यह है कि 2019 से 2023 के बीच जहां कुल डिजिटल लेन-देन का काम 90 फीसदी बढ़ा, वहीं जालसाजी वाले या इसकी आशंका वाले लेन-देन में 105 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आपके क्रेडिट कार्ड का ब्योरा चुराकर या उसकी कॉपी बनाकर ठगी करने के किस्से अब भी बंद नहीं हुए हैं। इसी तरह, किसी न किसी बहाने से फोन पर आपका ब्योरा चुराने की कोशिशें भी लगातार जारी हैं। हाल तो यह है कि अगर अपने शहर से बाहर अचानक आपका फोन खो जाए और आप किसी दूसरे नंबर से अपने दोस्तों-परिचितों से मदद मांगने की कोशिश करें, तो ज्यादातर मामलों में उन्हें पहले शक होता है कि कोई जालसाज खेल तो नहीं कर रहा? आपके फेसबुक अकाउंट या वाट्सएप को हैक करके या उसका क्लोन बनाकर आपके नाम पर लोगों से पैसे मांगने वाली ठगी का कारोबार भी जोरों पर है।

भारत डिजिटल लेन-देन के मामले में दुनिया में अगली कतार में खड़े देशों में शामिल है। यूपीआई से लेन-देन की शुरुआत 2016 में हो गई थी, लेकिन खासकर नोटबंदी और कोरोना के बाद इसमें जबर्दस्त तेजी आई है। 2023 में भारत में यूपीआई के जरिये होने वाले लेन-देन की गिनती 117.6 अरब थी। यहां कुल मिलाकर 182 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ। इसी साल जनवरी से दिसंबर के बीच यूपीआई के इस्तेमाल में 49 प्रतिशत का उछाल देखा गया और तेजी का यह सिलसिला थमा नहीं है। अनुमान है कि जल्द ही हर महीने 20 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन इस रास्ते होने लगेगा। इसमें क्रेडिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग या दूसरे चैनलों से होने वाला ऑनलाइन लेन-देन शामिल नहीं है। ऐसे में, डिजिटल चोरी या जालसाजी की आशंका भी बढ़ती जा रही है।

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल फ्रॉड के 6,659 मामले सामने आए, जिनमें 276 करोड़ रुपये की ठगी हुई। जबकि, उससे पिछले साल 3,596 मामलों में 155 करोड़ रुपये की जालसाजी की खबर मिली थी। ध्यान रहे कि ये वही मामले हैं, जिनकी शिकायत रिजर्व बैंक तक पहुंची है। बहुत से लोग रकम गंवाने के बाद भी उसकी शिकायत करने की जहमत नहीं उठाते हैं। कई मामलों में तो लोगों को ठगी की जानकारी भी नहीं हो पाती।

मगर जब ऐसी जालसाजी किसी कंपनी के साथ होती है, तो उसे वह ठगी की रकम से कहीं ज्यादा महंगी पड़ती है। डिजिटल जालसाजी रोकने के कारोबार की दिग्गज कंपनी लेक्सिसनेक्सिस रिस्क सॉल्यूशंस ने ट्रू कॉस्ट ऑफ फ्रॉड नाम की रिपोर्ट निकाली है, जिसमें एशिया प्रशांत क्षेत्र की तमाम कंपनियों का सर्वे करके यह हिसाब जोड़ा गया है कि जालसाजी जितनी रकम की होती है, उसके मुकाबले कंपनियों को इससे कितने की चोट पड़ती है? इसके मुताबिक, अगर कहीं एक रुपये की जालसाजी होती है, तो उसके ऊपर होने वाला कुल खर्च करीब चार गुना हो जाता है। इसमें डूबी हुई रकम के अलावा उसकी भरपायी के लिए होने वाली मेहनत, कानूनी कार्रवाई, कंपनी की साख का नुकसान और इसके साथ जुड़े छोटे-बड़े खर्च शामिल होते हैं।

आज ठगी के एक से एक नायाब तरीके सामने आ रहे हैं। ई-मेल या वाट्सएप पर लिंक भेजकर फिशिंग। कोई इनाम जीतने का लालच देकर ठगना। आपका बिजली कनेक्शन कट जाएगा, आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार पुलिस थाने में है, आपका कोई पार्सल विदेश से आकर कस्टम में अटका है आदि धमकी देकर किसी तरह क्रेडिट कार्ड का ब्योरा हासिल करना। फोन पर बातों में उलझाकर ओटीपी हासिल करना- ये सब तो पहले से चल रहे थे, लेकिन अब ऑनलाइन गेम के नाम पर, शेयर बाजार में किसी बड़े एक्सपर्ट का चेहरा लगाकर उससे मुलाकात या उसकी सलाह के नाम पर, बड़े-बड़े व्यापारियों की तस्वीरों के साथ कोई खास कोर्स चलाने के नाम पर भी ठगी के नए जाल बिछाए जा रहे हैं। आगे और भी नए तरीके सामने आते जाएंगे।

आखिर इनसे बचें कैसे? यह चिंता सरकार को भी है, इसीलिए हाल में वित्त मंत्रालय ने देश की फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ इस मसले पर चर्चा की और ऐसी जालसाजी पर लगाम कसने की तैयारी शुरू कर दी है। बैंकों और लेन-देन के काम में लगी कंपनियों ने भी ऐसे इंतजाम किए हैं, ताकि आपकी इच्छा के बिना आपके खाते या कार्ड से पैसा निकालना संभव न हो। हालांकि, जब कहीं ड्यडाटा ब्रीचह्न की खबर आती है, तो सावधानी और बढ़ाने की जरूरत बढ़ जाती है।

उड़ाने की ट्रेनिंग तो हुई पर ड्रोन नहीं खरीद पा रही है आर्मी

पूनम पांडे

ड्रोन वॉरफेयर में भारतीय सेना को मजबूत करने के लिए भारतीय सेना ने यूनिट स्तर पर भी ड्रोन लेकर उनकी ट्रेनिंग शुरू की थी। कुछ जगह इसके लिए ट्रेनिंग स्कूल भी बने और कॉडकॉप्टर या हेक्साकॉप्टर जैसे ड्रोन लेकर उन पर सैनिकों को ट्रेनिंग दी गई। लेकिन रक्षा मंत्रालय के वित्त विभाग से इस पर आपत्ति जताई गई है। सूत्रों के मुताबिक करीब दो महीने पहले रक्षा मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि सेना की अलग अलग यूनिट अपने स्तर पर ड्रोन की खरीद नहीं कर सकती और इसके लिए एक विस्तृत पॉलिसी होनी चाहिए। पॉलिसी बनाने का काम डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स यानी डीएमए को दिया गया है। जिसके प्रमुख चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) हैं।

ड्रोन के इस्तेमाल को लेकर साथ ही ड्रोन के हमले से बचने के लिए पिछले कुछ सालों से काफी फोकस हुआ है। भारत में भी कई स्टार्टअप ड्रोन बनाने के काम में लगे हैं। ड्रोन वॉरफेयर आज के दौर की हकीकत है। भारतीय सेना ने भी ड्रोन पर फोकस शुरू किया। सर्विलांस से लेकर लॉजिस्टिक ड्रोन तक भारतीय सेना ले रही है। भारतीय सेना ने आइडिया फोर्ज से स्वीच ड्रोन लिए हैं जो

फिक्स्ड विंग ड्रोन हैं और हाई एल्टीट्यूट में कारगर हैं। इसकी खरीद इमरजेंसी प्रॉक्योरमेंट के तहत की गई थी और ज्यादातर ड्रोन नॉर्दर्न बॉर्डर (चीन बॉर्डर) पर भेजे गए हैं। यह खरीद सेना हेडक्वॉर्टर ने की। लेकिन सेना की अलग अलग डिविजन और यूनिट स्तर पर भी छोटे ड्रोन की खरीद की जा रही थी। ताकि सैनिकों को उसमें ट्रेंड किया जा सके साथ ही सर्विलांस और दूसरी जरूरतों के लिए उसका इस्तेमाल किया जा सके।

सूत्रों के मुताबिक सेना की तरफ से पॉलिसी थी कि ट्रेनिंग के लिए यूनिट स्तर पर ड्रोन लिए जा सकते हैं। इसके लिए ट्रेनिंग फंड में एक्स्ट्रा फंड भी दिया जा रहा था। लेकिन करीब दो महीने पहले मंत्रालय ने इस पर आपत्ति जताई। जिसके बाद यूनिट या डिविजन स्तर पर ड्रोन की खरीद को मंजूरी देना बंद कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक सेना की कुछ यूनिट ने पिछले वित्त वर्ष में ड्रोन लेने के लिए प्रस्ताव भेजा था लेकिन अचानक हुए पॉलिसी चेंज की वजह से उन्हें खरीद की मंजूरी नहीं मिल पाई, जिसकी वजह से वे निराश हैं। ट्रेनिंग के लिए भी कितने ड्रोन लिए जाएंगे उस पर भी लिमिट तय की गई है।

भारतीय सेना की अलग अलग यूनिट अपने स्तर पर सैनिकों को ट्रेंड भी कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि सैनिकों को तीन तरह से ट्रेनिंग दी जा रही है। बेसिक, इंटरमीडिएट और अडवांस। बेसिक ट्रेनिंग सिमुलेटर से दी जा रही है, जिससे ड्रोन की बेसिक जानकारी हो जाए। इंटरमीडिएट ट्रेनिंग में कॉडकॉप्टर को फ्लाई करना और इस्तेमाल करना बताया जा रहा है। अडवांस ट्रेनिंग में सिखा रहे हैं कि कैसे उसका रूट प्लान बनाना है और कैसे उसे जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल करना है।

यूनिट स्तर पर भारतीय सेना ड्रोन वॉरफेयर की तैयारी कर रही थी। पिछले महीने ही सेना की वेस्टर्न कमांड ने अपने ऑफिशियल हैंडल से एक्स पर एक विडियो पोस्ट किया।

ब्रीफ न्यूज़

बारिश के बाद भी उत्साह पूर्वक कतार में लगकर किया मतदान

खरगोन/झिरन्या। तहसील के ग्राम मारुंगड़ मे मतदान के पूर्व तेज बारिश शुरु होगई थीं किन्तु उसके बाद भी मतदाता वो ने बड़े उत्साह के साथ गिरते पानी के बिच मतदान केंद्र पहुंचकर शान्ति पूर्ण राष्ट्रहित मे मतदान किया, मेरा मत मेरा अधिकार मतदान सबह 7 बजे से शुरू हुवा मारुंगड़ के बूथ क्रमांक 182 में टोटल 861संख्या,मतदान किए गए 597 टोटल एवं 69.33 प्रतिशत एवं बूथ क्रमांक 183 में टोटल 908 संख्या मतदान किये गये मतदाताओं की संख्या 686 टोटल एवं 75.55 प्रतिशत रहा।

कायस्थ समाज जिले में मनाएगा चित्रगुप्त जयंती

सारंगपुर। कायस्थ समाज राजगढ जिले में 14 मई यानि आज चित्रगुप्त जयंती समारोह आयोजित कर रहा। उक्त जानकारी देते हुए जिला महामंत्री अमित सक्सेना ने बताया कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रांताध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, प्रांतीय संगठन मंत्री कैलाश सक्सेना, प्रांतीय सचिव श्याम बाबू सक्सेना, जिलाध्यक्ष राकेश सक्सेना, प्रमिला सक्सेना, अनुज सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन में आज 14 मई को कायस्थ समाज जिले के नरसिंहगढ में जितेंद्र सक्सेना, राजगढ में राजेंद्र सक्सेना, ब्यावरा में कुलदीप सक्सेना, अशोक सक्सेना के नेतृत्व में तीनो मंदिरों में कायस्थ समाजजनों, मातृ शक्तियों बच्चो द्वारा विधि विधान से चित्रगुप्तजी की पूजा अचर्ना हवन महाआरती प्रसादी कार्यक्रम कर रहा। जिले के हर नगर/ग्राम के कायस्थ परिवारों में श्री चित्रगुप्त जी महाराज जयंती हर्ष उल्लास से मनाई जाएगी। जिसमे स्थानीय स्तर पर निवासरत प्रांतीय प्रतिनिधि जिला तहसील नगर इकाइयों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। श्रीसक्सेना ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में रक्तदान शिविर नरसिंहगढ में राकेश सक्सेना, मनोज सक्सेना, जितेंद्र सक्सेना, संजय सक्सेना, पवन सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा। सप्ताह भर चलने वाले चित्रगुप्त जयंती समारोह में वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित, मातृ शक्ति सम्मान, जिले की प्रतिभा सम्मान, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, सर्वश्रेष्ठ कपल सम्मान, महिला जिला कार्यकारणी की घोषणा की जाएगा। श्रीसक्सेना ने समस्त कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह समाजजनों से किया है।

मतदान के लिए अमेरिका से आए दंपति

किल्लोद। ब्लॉक के ग्राम रोसड माल के निवासी वर्तमान में अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत अरविंद चौहान और उनकी पत्नी सुनीता चौहान ने केंद्र क्रमांक 232 प्राथमिक शाला रोसड माल में देश हित मे मतदान कर अपना कर्तव्य निभाया। सरपंच उमाशंकर दरबार ने बताया कि जैसे सरपंच-सचिव के द्वारा ग्राम के युवा अरविंद चौहान को लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत उनके ग्रह ग्राम में 13 मई को होने वाले के मतदान की जब सूचना दी गई तो वे भी खुशी व्यक्त करते हुए मतदान में हिस्सा लेने पहुँच गए। गौरतलब है कि अरविंद चौहान वर्ष 2012 से अमेरिका के शहर में सॉफ्टवेयर इंजीनियर का कार्य कर रहे है।

लोकतंत्र के महायज्ञ में मतदाताओं ने डाली मतदान रूपी आहुति

शाजापुर। लोकसभा निर्वाचन -2024 के चौथे चरण के मतदान में मतदाताओं ने सूरज की पहली किरण के साथ ही मतदान केंद्रों की ओर कदम बढा दिए। किसी ने भी गर्मी और मौसम की चिंता छोड़ अच्छी सरकार के लिए लोकतंत्र के महायज्ञ में मतदान की आहूति डाली। यही वजह थी कि समाचार लिखे जाने तक नगर में जहां 76.70 प्रतिशत तो पूरे लोकसभा क्षेत्र में 73.20 प्रतिशत मतदान हो चुका था। वहीं मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ लगी हुई थी। जिस तरह अलसुबह मतदान दलों को रवाना किया गया था उसी तरह मतदान करने के लिए भी मतदाताओं ने सुबह-सुबह ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। जिसक चलते सुबह 11 बजे तक ही 35.83 तथा दोपहर 1 बजे तक करीब 53 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे।

आईपीएल के साथ जमकर चल रहा है सट्टे का बाजार

शहर से लेकर गांव तक हर एक मैच पर खेले जा रहे हैं लाखों के दांव

सारंगपुर। इन दिनों आईपीएल मैच का सीजन अंतिम चरण में पहुंच रहा है। हर मैच में रोमांच देखने को मिल रहा है। मगर इस रोमांच में लोग सट्टा खेलने से भी पीछे नहीं हट रहे है। गली मोहल्ले व चौक चौराहे से लेकर होटल में बैठकर भी सट्टा खेला जा रहा है। इसकी धरपकड़ को लेकर पुलिस की टीम सक्रिय नजर नहीं आ रही है। सूत्रों के अनुसार, सारंगपुर व आसपास के कस्बो एवं ग्रामीण क्षेत्र में हर एक मैच पर लाखों रुपए के दांव खेले जा रहे हैं। इस संबंध में एसडीओपी अरविंद सिंह बताते हैं की पुलिस सटोरियों को लेकर पूरी तरह से एक्टिव है। पकडे जाने पर इनके खिलाफ सख्त कानूनी कारर्वाई की जाएगी।

ऑनलाइन सट्टा बाजार का प्रचलन बढ़ा

सारंगपुर क्षेत्र में इन दिनों ऑनलाइन सट्टा खेलने का प्रचलन काफी तेजी से बढा हुआ है। 1000 रुपये में सट्टा खेलाने वाली बडी कंपनियां लोगों को आइडी दे दे रही हैं। इसमें सारंगपुर के लोग आराम से सट्टा खेल रहे हैं। पैसा जीतने पर उनके खाते में जीते हुए पैसे का तीन प्रतिशत काटकर भेज दिया जाता है। ऑफलाइन सट्टा पर लगाम है लेकिन अब ऑनलाइन सट्टा बाजार का प्रचलन बढ गया है।

20 हजार रुपए में मिल रही है मास्टर आईडी, हर कोई बन रहा बुकी

सूत्रों की माने तो सट्टा खेलाने वाली बडी कंपनियां 20 हजार रुपये में किसी को भी मास्टर आइडी दे रही है। मास्टर आइडी लेकर कोई भी बुकी बनकर लोगों को सट्टा खेलवा रहा है। इसमें भी जीतने वाले को पैसे देने के वक्त तीन प्रतिशत कंपनी और दो प्रतिशत मास्टर आईडी देने वाला काट लेता है। बुकी बनकर बिना मैच में पैसे लगाए प्रत्येक दिन स्थानीय स्तर पर ही करीब 10 से 15000 रुपये लोग जीत रहे हैं। अभी सारंगपुर शहर में कई जगहों पर बुकी आसानी से मिल जाते हैं। शहर सहित पड़ाना, मऊ, मगराना, उदनखेड़ी आदि स्थानों पर सट्टे का खेल चल रहा है।

बुरहानपुर में मतदान करने के बाद प्रत्याशी पाटिल खंडवा पहुंचे

दादाजी के दर्शन करने के बाद मतदान केंद्रों का किया अवलोकन

खंडवा। लोकसभा चुनाव मतदान के दिन सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल ने बुरहानपुर में परिवार सहित मतदान करने के पश्चात शहर के कुछ बुथो पर पहुंच कर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा की मतदाताओं के घर पहुंच कर मतदान करने का निवेदन करें और उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचाये, प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि बुरहानपुर से सांसद श्री पाटिल पंधाना विधानसभा क्षेत्र के कुछ मतदान केंद्रो से होकर दोपहर में खंडवा पहुंचे, श्री पाटिल ने दादाजी धाम पहुंचकर दादाजी के दर्शन कर दादाजी वार्ड के मतदान क्रमांक 189, 190, 191 पर पहुंचकर हो रहे मतदान की जानकारी प्राप्त की एवं उपस्थित बुथ कार्यकर्ताओ से अनुरोध किया कि घर-घर पहुंचकर मतदाताओं को मतदान करने का अनुरोध करें, अपने-अपने बूथो पर ज्यादा से ज्यादा मतदान हो इसकी चिंता करें।

खंडवा से श्री पाटिल मांधाता विधानसभा क्षेत्र मूंदी और सनावद बड़वाह विधानसभा पहुंचे, दादाजी वार्ड खंडवा में सांसद श्री पाटिल के साथ रामचंद्र मौर्य, वार्ड पार्षद आशीष चटकेले, प्रवक्ता सुनील जैन, लोकेंद्र सिंह गौड़, इंदर सिंह पवार, मदन भाऊ, प्राणेश बजाज, प्रदीप शर्मा, भोला यादव, सुमित मौर्य, शांतिलाल मोजर, अखिलेश परदेसी, विनोद वर्मा, सचिन पांजरे, मोहित शर्मा सहित कार्यकर्ता साथ थे।

असुविधाः सड़क या दुकानों के सामने बैठकर यात्री करते हैं बसो का इंतजार क्योंकि प्रतीक्षालयों में नहीं लगे हैं पंखे

बस स्टैंड पर यात्री सुविधाओं की कमी, गर्मी में यात्रियों के लिए बैठने की भी व्यवस्था नहीं

सारंगपुर। क्षेत्र की आबादी के अनुरूप शहर के यात्री प्रतीक्षालय भवन छोटे है और इनमें जरुरी सुविधाओं की भी कमी है। यात्रियों को अक्सर सडक या दुकानों के सामने खडे रहकर बसों का इंतजार करना पडता है। इससे यात्रियों को गमी में परेशानी होती है। स्थिति यह है कि यह पंखे भी नहीं लगे है। मौसम की विपरीत परिस्थितियों में कुछ लोग दुकानों की शरण लेते हैं। उन्हें यहां भी दुकानदारों के गुस्से का शिकार होना पडता है।

सारंगपुर बस स्टैंड से 100 से अधिक बसें संचालित होती हैं। प्रतिदिन दो से तीन हजार यात्री इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आगर, शुजालपुर, ब्यावरा, जीरापुर, तलेन, संडावता सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बसों से यात्रा करते हैं। इसके अलावा लंबी दूरी की बसे भी यही से होकर गुजरती है। उक्त बस स्टैंड से शहर के अलावा अंचल के गांवों के लोगों का आना-जाना लगा रहता है। जिनके लिए बस स्टैंड पर पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। साफ पीने का पानी उपलब्ध नहीं है और न बस स्टैंड के अंदर बैठने की व्यवस्था है। मूलभूत सुविधाओं के लिए भी यात्रियों को भटकना होता है। हालात यह है कि गमी में ठंडे पानी का इंतजाम नहीं होने से यात्री बॉटल खरीदकर प्यास बुझा रहे हैं। यात्रियों की मानें तो बस स्टैंड में अव्यवस्थाएं हैं। बस स्टैंड का यात्री प्रतिक्षालय शहर के अनुमान से छोटा है। जिसकी वजह से यहां यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल पाती है, क्षेत्र के लोगों का इस यात्री प्रतिक्षालय में असुविधाओं के चलते परेशानियों का सामना करना पडता है। यात्रियों का कहना है कि बस स्टैंड पर बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से अक्सर यात्रियों को बाहर धूप में खडे रहकर बसों का इंतजार करना पडता है या यात्रीगण फ्रुट ठेलों की छांव का सहारा लेते है। बस स्टैंड पर ठंडे पानी के सार्वजनिक पानी प्याऊ का भी अभाव है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का प्रतीक्षालय पर ध्यान नहीं देने के कारण आम लोगों के लिए यह अच्छा विकसित नहीं हो रहा है। बस स्टैंड से राजस्थान, गुजरात, झांसी, भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित अन्य स्थानों के लिए बसें संचालित होती है। यात्री बसों में प्रतिदिन हजारों लोग यात्रा करते हैं। इनके लिए यात्री प्रतीक्षालय में सुविधा नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी गमियों के मौसम में होती है। भीषण गमी में तपती धूप में भी यात्रियों को परेशान होना पडता है। लेकिन सुविधाएं बढ;ाने की दिशा में इस ओर किसी भी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

कई साल गुजरे, कब होगा कायाकल्प

बस स्टैंड कई साल पुराना है। उस दौरान बस स्टैंड पर दो अलग हालनुमा यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया था। एक प्रतीक्षालय कोशल्या बाई सोलंकी की स्मृति में शहर के सामाज सेवी द्वारा गया था तो दूसरा शासन की रोडवेज अनुबंध विभाग द्वारा जो की आज भी उसी तरह एक हालनुमा ही है। जिसमें यात्रियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। यहां साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। जिसके कारण यात्रियों को बैठने या खडे रहने में परेशानी होती है।

बोले जिम्मेदार

यात्रियों की सुविधाओं व बस स्टेंड के कायाकल्प हेतु जल्द ही नपा द्वारा प्रपोजल तैयार किया जाएगा। साथ ही हमने शहर में कई जगह प्याऊ लगवाए है। बस स्टेंड पर भी सामाजिक संस्थाओं से बात कर ठंडे पानी के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जाएगी। **एलएस डोडिया, सीएमओ, नपा, सारंगपुर।**

सॉफ्टवेयर इंजीनियर सौम्या ने दुबई से आकर किया मतदान

मंडलेश्वर। लोकतंत्र के पर्व पर नगर में उत्साह का माहौल देखा गया। खासकर युवा वर्ग में मतदान के प्रति जागरूकता देखते ही बनती थी। नगर की बेटी सौम्या महेश शर्मा, जो वतर्मान में दुबई में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, ने दुबई से यहां पहुंचकर मतदान किया। वही नगर के अन्य मतदाता आनंद पटवारी जो मुंबई में निवासरत है, उन्होंने भी सोमवार को अपने मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुहाने मौसम में सुबह 7 बजे मतदान की शुरुवात हुई। विधायक राजकुमार मेव, पूर्व विधायक डॉ विजयलक्ष्मी साधौ, नगर के प्रथम नागरिक नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने सुबह 10 बजे तक अपना मतदान पूर्ण कर अन्य मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने का कार्य शुरू किया। जिसका परिणाम यह देखने को मिला की सुबह 11 बजे तक सम्पूर्ण महेश्वर विधानसभा में 36 प्रतिशत मतदान संपन्न हो गया। मतदाता सूची में उल्लेखित थर्ड जेंडर में किन्नर सोनाली ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

100 वषीय हाजी इस्माइल अब्दुल करीम के केंद्र पर डाला वोटः वृद्ध के लिए शासन की घर पहुंच कर मतदान करवाने की योजना के बावजूद नगर के वरिष्ठ हाजी इस्माइल अब्दुल करीम में 100 वर्ष की आयु में मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। इस अवसर पर हाजी साहब ने बताया की मतदान करना हमारे अधिकार के साथ साथ कर्तव्य भी है। आज अपनी आयु की इस अवस्था ने सक्षम हु तो यहां तक मतदान करने पहुंचा हु। **प्रशासनिक व्यवस्था रही चाक चौबंद :** सुबह मौसम सुहाना होने के चलते मतदान केंद्रों पर भीड़ दिखाई दी। जिसके चलते प्रशासनिक व्यवस्था भी चाक चौबंद दिखाई दी। प्रत्येक मतदान केंद्र के बाहर धूप से बचाने के लिए टेंट, अंदर कूलर, एवं पानी की व्यवस्था थी। प्रशासनिक अधिकारी मतदान के समय सभी मतदान केंद्रों पर घूमते दिखाई दिए। नगर की कचरा वाहन से पूरे दिन मतदान करने की अपील पूरे नगर में मुनादी के माध्यम से बजती रही।

हाईस्कूल के 80 में से 40 बच्चों को मिला फर्स्ट डिवीजन, 12वीं का भी शत प्रतिशत रहा परिणाम

सीबीएसई रिजल्टः हायर सेकंडरी में स्नेहा तो हाईस्कूल में परी रही प्रथम

SNEHA PATIDAR
16/08/2022

शाजापुर। सफलता किसी की कायल नहीं होती बल्कि जो काबिल होता है वे ही अलग पहचान बनाते हैं। इसे एक बार फिर साबित किया है एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन एकेडमी के विद्यार्थियों ने जिन्होंने इस बार भी सफलता के शिखर पर काबिज होकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। हाईस्कूल में विद्यालय के 80 में से 40 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण हुए। वहीं कक्षा 12वी में 68 में से 54 बच्चे फर्स्ट डिविजन के साथ उत्तीर्ण हुए हैं।

परीक्षा के बाद से ही विद्यार्थियों को परिणाम का इंतजार था। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे सीबीएसई ने बच्चों का यह इंतजार भी समाप्त कर दिया और एक साथ हाईस्कूल व हायर सेकेड्री के परिणाम जारी कर दिए। जिसमें हर बार की तरह इस बार भी कौटिल्य के विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहरा दिया। विद्यालय की कक्षा 12वी की छात्रा स्नेहा पाटीदार ने 94 प्रतिशत अंकों के साथ शहर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा परीक्षा में शामिल 68 में से 54 विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। हाईस्कूल में भी विद्यालय की परी जैन ने 90 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

80 में से 40 विद्यार्थियों को मिला प्रथम स्थान

विद्यालय प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया ने बताया कि कक्षा 12वी में स्नेहा पाटीदार ने 94 प्रतिशत अंकों के साथ शहर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि 54 विद्यार्थियों ने भी प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव, संचालिका शशि यादव, प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया ने हर्ष व्यक्त कर विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की है।

इन्होंने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

कक्षा 12वी में स्नेहा पाटीदार 94 प्रतिशत, आदित्य गोठी 91, अंजलि सोलिया 88, गौरव दास 88, रविंद्र धाकड़ 84, मोनिका पाटीदार 82, सृष्टि सोनी 82, दिलशाद अली 83 व संजय अटेड़िया ने 81 प्रतिशत अंकों व हिमांशु यादव ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। वहीं कक्षा 10 वी परी जैन ने 90 प्रतिशत, आश्रति मकवाना ने 85, दिशा राठौर 85, भव्य बैरागी, नमरा खान, पायल शर्मा व भूमिका मेवाड़ा ने 81 प्रतिशत, चिराग परमार, उत्कर्ष कुमार ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

जैन सोशल ग्रुप द्वारा मतदान केंद्र पर शीतल जल के साथ फ्रूटी का भी किया गया वितरण

अधिक मतदान हो इसके लिए किए गए अलग-अलग प्रयोग

खंडवा ।। चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जहां शासन प्रशासन लगातार अपने प्रयास कर रहा था वही पार्टी स्तर पर भी राजनीतिक दल अधिक से अधिक मतदान हो को लेकर सक्रिय थे, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया की मतदान को लेकर सामाजिक बंधु भी मतदान को लेकर प्रयास कर रहे थे, भीषण गर्मी को देखते हुए जैन सोशल ग्रुप द्वारा सराफा स्थित फारवर्ड दिगंबर जैन धर्मशाला के बूथ पर ठंडी फ्रूटी शीतल पेय का वितरण किया। जैन सोशल ग्रुप मीडिया प्रभारी सुनील जैन एवं प्रेमांशु जैन ने बताया कि ग्रुप का उद्देश्य था कि मतदान करने आने वाले मतदाताओं को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सके। जैन सोशल ग्रुप के इस प्रयास को मतदान करने आने वाले मतदाताओं ने खूब सराहा एवं धन्यवाद प्रेषित किया।इस अवसर पर जैन सोशल अध्यक्ष विकास बड़जात्या,सचिव संकल्प प्रिंस जैन, सुधांशु जैन, सुनील जैन, प्रेमांशु जैन, आनंद जैन ,रूपांशु जैन, अंकित बड़जात्या, नीरज बैनाड़ा,गौरव जैन,अंकित जैन ,सचिन जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।पार्षद प्रतिनिधि नीतीश बजाज ने जैन सोशल ग्रुप के इस सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

इस बार मॉनसूनी वर्षा 106 फीसदी रहने का अनुमान, 16 मई से उत्तर पश्चिम भारत में शुरू होगा गर्मी का दौर

पांच दिन कई राज्यों में झमाझम बारिश के आसार

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अपने निर्धारित समय से तीन दिन आगे चल रहा है। आईएमडी के मुताबिक, 19 मई के आसपास दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दक्षिणी अंडमान सागर में प्रवेश कर जाएगा। इसके अलावा यह बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व के कुछ हिस्सों में भी उसी दिन तक प्रवेश कर जाएगा। आईएमडी के ताजा पूवार्नुमान में कहा गया है कि मौजूदा समय में दक्षिण कर्नाटक के आंतरिक भाग के ऊपर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन और निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक ट्रफ रेखा बनी हुई है, जो उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश तक जा रही है। इसकी वजह से अगले 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-60 किमी प्रति घंटे) के साथ छिटपुट से लेकर हल्की और मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अमूमन हर साल 22 मई को मॉनसून इस हिस्से में पहुंचता है लेकिन इस साल उससे तीन दिन पहले ही प्रवेश करने जा रहा है। मॉनसून सामान्यतः 1 जून के आसपास केरल में दस्तक देता है। इसके बाद यह आमतौर पर तेजी के साथ उत्तर की ओर बढ़ता है और 15 जुलाई के आसपास पूरे देश में छा जाता है। मौसम विभाग को उम्मीद है कि इस साल देश में सामान्य से ज्यादा मॉनसूनी बारिश होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 15 अप्रैल को अपने दीर्घकालिक पूवार्नुमान में कहा था कि जून से सितंबर के बीच देश में 5% त्रुटि के साथ मॉनसूनी वर्षा करीब 106% रहने की उम्मीद है जो सामान्य से ऊपर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा है कि 1971-2020 की लंबी अवधि के आंकड़ों के आधार पर पूरे सीजन में दीर्घावधि औसतन 87 सेमी बारिश हुई है। विभाग के मुताबिक, पिछले साल दीर्घावधि औसतन मॉनसूनी बारिश 94.4% यानी सामान्य से नीचे था। आईएमडी के मुताबिक, उससे पहले 2022 का मॉनसून एलपीए के 106% पर सामान्य से ऊपर था; जबकि 2021 में दीर्घावधि औसतन मॉनसूनी बारिश 99% पर सामान्य दर्ज किया गया था और 2020 में 109% पर फिर से सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया था। आईएमडी ने कहा है कि मई के अंतिम सप्ताह के दौरान फिर से एक अद्यतन पूवार्नुमान जारी किया जाएगा, जिसमें उत्तर पश्चिम भारत, मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीप और पूर्वोत्तर भारत में मॉनसून की स्थिति और पूवार्नुमान का जानकारी अपडेट की जाएगी।

30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना

मौसम विभाग ने कहा है कि 14 मई को गुजरात और आसपास के क्षेत्र में आंधी चलने की संभावना है। इस दौरान बिजली कड़कने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी के मुताबिक, 14 मई (मंगलवार) को मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है। इसके अलावा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है अधिकतम तापमान

आईएमडी ने कहा है कि अगले 7 दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी हल्की से लेकर मध्यम बारिश होने की संभावना है। दूसरी तरफ आईएमडी ने कहा है कि इस सप्ताह के मध्य तक यानी 16 मई से उत्तर पश्चिम भारत में फिर से गर्मी का दौर शुरू हो सकता है। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान लगभग 3-5 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है। इससे लोग परेशान रह सकते हैं।

मुंबई में आंधी से गिरा बिलबोर्ड तीन लोगों की मौत, 50 घायल

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को सोमवार को जोरदार आंधी ने हिला डाला। धूल भरी इस आंधी के चलते लोग जहां के तहां फंस गए और कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित रहा। कहीं पेड़ गिर गए तो कहीं बैनर और बिलबोड्र्स आदि आंधी में नीचे आ गिरे। एक तरह ऐसा ही बड़ा बिलबोर्ड गिरने के चलते 3 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हैं। साथ ही 100 से ज्यादा अंदर फंसे बताए जा रहे हैं।

इस आंधी के चलते पूरे शहर में ही धूल की चादर सी दिखाई दी और अंधेरा छा गया। इस आंधी के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बिलबोर्ड गिरने की घटना मुंबई के घाटकोपर इलाके की है। इसमें कई लोग दबे हुए हैं। बिलबोर्ड एक पेट्रोल पंप के सामने लगा था, जो आंधी आने पर पंप के बीचोंबीच जा गिरा, जहां कुछ लोग मौजूद थे। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बचावकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मलबे में फंसे जीवित बचे लोगों की तलाश की जा रही है। मालूम हो कि मुंबई में इस सीजन की यह पहली बारिश है। बारिश होने से मुंबई और उसके आसपास के इलाके के लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। हालांकि, धूल भरी हवाओं के चलते लोगों को परेशानियों का सामना जरूर करना पड़ा। तेज धूल भरी आंधी चली जिससे आज दोपहर में 3 बजे ही आसमान में अंधेरा छा गया। पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। वित्तीय राजधानी के कई जिलों में बिजली गुल हो गई।

ठाणे, पालघर और मुंबई में बिजली गिरने, मध्यम से तेज बारिश और तूफान आने की आशंका

भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि मुंबई के आसपास कई इलाकों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। ठाणे, पालघर और मुंबई में बिजली गिरने, मध्यम से तेज बारिश और तूफान आने की आशंका है। आईएमडी ने इसे लेकर नाउकास्ट वार्निंग जारी की है। वहीं, बिजली के तार पर बिलबोर्ड गिर जाने से आरे और अंधेरी ईस्ट के बीच मेट्रो नहीं चल सकी। तेज हवाओं के कारण ठाणे और मुलुंड के बीच रूट पर एक खंभा झुक जाने से ट्रेनें प्रभावित हुईं। मध्य रेलवे के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि मेन लाइन पर सबअर्बन सर्विस रोक दी गई है। बेमौसम बारिश से चिलचिलाती गर्मी से कुछ तक राहत जरूर मिली, मगर ठाणे के कलवा और कुछ अन्य इलाकों में बिजली गुल होने से परेशानी बढ़ गई।

ब्रीफ न्यूज़

पुतिन ने सर्गेई शोइगू को फिर से बनाया रक्षा मंत्री

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने क्रेमलिन की सुरक्षा टीम में फेरबदल किया है। उन्होंने लंबे समय से अपने भरोसेमंद रहे सर्गेई शोइगू को फिर से रक्षा मंत्री का जिम्मा सौंपा है। पुतिन ने शोइगू को पहले रक्षा मंत्री के पद से हटा दिया था और उन्हें देश की सुरक्षा और रक्षा परिषद का नेतृत्व सौंपा था। सुरक्षा और रक्षा परिषद एक परामर्शदात्री संस्था है जो राष्ट्रपति को सलाह देती है। रूसी समाचार एजेंसियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह बदलाव पुतिन के पांचवें कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण के कुछ दिनों बाद आया है। शोइगू ने रूस-यूक्रेन युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अमेरिका में पार्टी में हुई गोलीबारी में तीन की मौत, 12 घायल

वॉशिंगटन। दक्षिण अलबामा में शनिवार रात एक पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। बाल्डविन काउंटी इन्वेस्टिगेशन डिवीजन के मुताबिक स्टॉकटन के पास लगभग 1,000 लोग मई दिवस की पार्टी में भाग ले रहे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। मारे जाने वालों में अधिकांश लोग युवा थे। गिरफ्तारियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। स्टॉकटन की आबादी लगभग 400 है। हालांकि, गोलीबारी में कोई भी कानून प्रवर्तन अधिकारी शामिल नहीं था।

बेलग्राद पर मिसाइल हमले में 7 लोगों की मौत

मॉस्को। रूस के सीमावर्ती शहर बेलग्राद पर मिसाइल हमले के कारण रविवार को 10 मंजिला भवन क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें कम से कम सात लोग मारे गए, जबकि 17 घायल हो गए। रूसी अधिकारी इसे यूक्रेनी हमला बता रहे हैं। हमले में और लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि सोवियत संघ जमाने के इस भवन का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। मलबे में कई लोग दबे हो सकते हैं। उधर, यूक्रेन के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रूस ने हमले शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि रूस ने शहरों व गांवों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और नक्का की बढ़ी मुश्किलें

मुंबई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और टीडीपी नेता नक्का आनंद बाबू की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने नायडू और बाबू के खिलाफ महाराष्ट्र में 2010 में पुलिसकर्मियों पर कथित रूप से हमला करने के मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति मंगेश पाटिल और न्यायमूर्ति शैलेश ब्रह्मे की खंडपीठ ने 10 मई को अपने फैसले में कहा कि कथित अपराध में नायडू और बाबू की संलिप्तता को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त सबूत है। इस बात को लेकर अदालत को कोई संदेह नहीं है।

भारत से दान में मिले विमान मालदीव के पास पायलट नहीं

द्वीप राष्ट्र के रक्षा मंत्री ने खोली अपने ही देश की पोल

माले। मालदीव को भारत से उलझना महंगा पड़ रहा है। दरअसल, द्वीप राष्ट्र के रक्षा मंत्री घासन मौसून ने माना है कि उनकी सेना के पास अभी एक भी पायलट ऐसा नहीं है जो भारत की ओर से मदद के लिए दिए गए तीन विमानों को उड़ाने में सक्षम हो। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कहने पर भारत ने कुछ दिनों पहले अपने 76 सैन्यकर्मियों को वापस बुला लिया था। हालांकि, इन सैन्यकर्मियों की जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के नागरिक कर्मचारियों ने ली है।

घासन ने शनिवार को राष्ट्रपति कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने मालदीव में दो हेलीकॉप्टर और एक डॉर्नियर विमान चलाने के लिए तैयान भारतीय सैनिकों की वापसी और उनकी जगह भारत से नागरिक कर्मचारियों को बुलाने के बारे में जानकारी दी। एक पत्रकार के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) में कोई भी ऐसा सैनिक नहीं है जो भारतीय सेना द्वारा दान किए गए तीन विमानों का संचालन कर सके। कुछ सैनिकों को पिछली सरकारों के समझौतों के तहत उन्हें उड़ाने का प्रशिक्षण दिया गया था। लेकिन यह ऐसा प्रशिक्षण था जिसमें विभिन्न चरणों को पार करने की जरूरत होती थी। हमारे सैनिक विभिन्न कारणों से इन चरणों को पूरा न कर सके। इसलिए इस समय हमारे बल में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसके पास दो हेलीकॉप्टर और डोर्नियर विमान को उड़ाने का लाइंसेंस हो।

चीन समर्थक नेता मुइज्जू ने 10 मई तक सभी भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने का अनुरोध किया था। ये सैन्यकर्मी इन विमानों का संचालन करने के लिए वहां तैनात थे। भारत पहले ही 76 सैन्यकर्मियों को वापस बुला चुका है। मुइज्जू के इस कदम के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया था। मालदीव के मीडिया की एक खबर में कहा गया है कि उनकी सरकार का सोनाहिया सैन्य अस्पताल से डॉक्टर्स को हटाने का कोई इरादा नहीं है।

1873 परियोजनाओं में से 779 देरी से चल रहीं

5.01 लाख करोड़ बढ़ी 499 परियोजनाओं की लागत

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 1,873 में से 449 परियोजनाओं की लागत मार्च, 2024 में तय अनुमान से 5.01 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। 779 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के मुताबिक, 1,873 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 26,87,535.69 करोड़ रुपये थी।?अब इसके बढ़कर 31,88,859.02 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इनकी लागत 18.65 फीसदी या 5,01,323.33 करोड़ रुपये बढ़ गई है। मंत्रालय ने कहा, अगर परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समय सीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 567 पर आ जाएगी। 779 परियोजनाओं में से 202 एक से 12 महीने, 181 परियोजनाएं 13 से 24 महीने, 277 परियोजनाएं 25 से 60 महीने व 119 परियोजनाएं 60 माह से अधिक की देरी से चल रही हैं। 779 परियोजनाओं में विलंब का औसत 36.04 माह है।

सफलता | अफगान-सेंट्रल एशिया में व्यापार के लिए पाकिस्तान की जरूरत खत्म होगी

भारत ने ईरान के चाबहार में 10 साल के लिए लीज पर लिया शहीद बेहेशती पोर्ट

तेहरान। ईरान के चाबहार में शहीद बेहेशती पोर्ट को भारत ने 10 साल के लिए लीज पर ले लिया है। भारत और ईरान के बीच यह डील सोमवार को हुई। अब पोर्ट का पूरा मैनेजमेंट भारत के पास होगा। भारत को इसके जरिए अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया से व्यापार करने के लिए नया रूट मिल जाएगा। पाकिस्तान की जरूरत खत्म हो जाएगी।

यह पोर्ट भारत और अफगानिस्तान को व्यापार के लिए वैकल्पिक रास्ता मुहैया कराएगा। डील के तहत भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड चाबहार पोर्ट में 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी। चाबहार पोर्ट के समझौते के लिए भारत से केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल को ईरान भेजा गया था। भारत और ईरान दो दशक से चाबहार पर काम कर रहे हैं। चाबहार विदेश में लीज पर लिया गया भारत का पहला पोर्ट है। भारत दुनियाभर में अपने व्यापार को बढ़ाना चाहता है। चाबाहार पोर्ट इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। भारत इस पोर्ट की मदद से ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य

पोर्ट के लिए भारत ने अब तक क्या-क्या किया

चाबहार पोर्ट पर अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय से काम चलता आया है। 2003 में तब इसे लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। इसके बाद अमेरिका की ईरान से चल तनातनी से बातचीत को बीच में ही रोकना पड़ा था। फिर वढअ सरकार के दौरान 2013 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसके लिए 800 करोड़ रुपए निवेश करने की बात कही थी। इस पर बात तब आगे बढ़ी जब 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान का दौरा किया था। मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। भारत ने चाबहार के एक टर्मिनल में 700 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की थी। साथ ही भारत ने इस बंदरगाह के विकास के लिए 1250 करोड़ रुपए का कर्ज देने की भी घोषणा की थी।

भारत को पाकिस्तान के अलावा भी एक विकल्प की तलाश थी

पहले भारत से अफगानिस्तान कोई भी माल भेजने के लिए उसे पाकिस्तान से गुजरना होता था। हालांकि, दोनों देशों में सीमा विवाद के चलते भारत को पाकिस्तान के अलावा भी एक विकल्प की तलाश थी। चाबहार बंदरगाह के विकास के बाद से अफगानिस्तान माल भेजने का यह सबसे अच्छा रास्ता है। भारत अफगानिस्तान को गेंहू भी इस रास्ते से भेज रहा है। अफगानिस्तान के अलावा यह पोर्ट भारत के लिए मध्य एशियाई देशों के भी रास्ते खोलेगा। इन देशों से गैस और तेल भी इस पोर्ट के जरिए लाया जा सकता है।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में बड़ा उतार-चढ़ाव

सेंसेक्स निचले स्तरों से 900 अंक चढ़ा, निफ्टी 22100 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार में बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा। घरेलू शेयर बाजार में कारोबारी की शुरूआत लाल निशान पर हुई। हालांकि, लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के बीच घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 111.66 (0.15%) अंक मजबूत होकर 72,776.13 पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 48.85 (0.22%) अंक चढ़कर 22,104.05 के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स में निचले स्तरों से 900 अंकों की बढ़त दर्ज की गई।

खुदरा महंगाई के आंकड़े आने से पहले घरेलू शेयर बाजार शुरूआती कमजोरी के बावजूद हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। इस दौरान बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के शेयरों में मजबूत दिखी। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और एक्सिस बैंक के शेयर टॉप गेनर्स रहे और कारोबारी सत्र के आखिर में हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, आईटीसी, इंडसइंड बैंक और एचसीएलटेक के शेयर लाल निशान पर बंद हुए। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान टाटा मोटर्स के शेयरों में 8.3% की गिरावट दिखी।

इस बार का मुनाफा लगभग 79% अधिक

वित्तीय वर्ष 2025 के लिए कमजोर अनुमानों के बाद वैश्विक ब्रोकरेज फर्मों गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और नोमुरा ने निफ्टी के इस शेयर को डाउनग्रेड किया है जबकि सिटी ने टाटा मोटर्स की अपनी रेटिंग को निलंबित कर दिया है। दूसरी ओर, सिप्ला के शेयर छह प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। कंपनी के शेयरों में यह बढ़त उसकी ओर से मार्च 2024 तिमाही में 939 करोड़ रुपये के शुद्ध मुनाफे की जानकारी देने के बाद आई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी के मुनाफे 525 करोड़ रुपये की तुलना में इस बार का मुनाफा लगभग 79 प्रतिशत अधिक है।

कैसा रहा व्यापक बाजार का हाल?

सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी ऑटो 1.7 प्रतिशत टूट गया। दूसरी ओर, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.2 प्रतिशत लुढ़क गया। इसमें बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक के शेयरों में गिरावट से कमजोरी आई। दूसरी ओर निफ्टी फार्मा, हेल्थकेयर और रियल्टी सेक्टर के शेयर टॉप सेक्टोरल गेनर्स रहे। व्यापक बाजार में निफ्टी नेक्स्ट फिफ्टी, निफ्टी 100 और निफ्टी 200 के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

माइक्रोसॉफ्ट से ओला सीईओ नाराज, लगाई फटकार

नई दिल्ली। ओला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाविश अग्रवाल ने एक पोस्ट में माइक्रोसॉफ्ट और उसकी अनुषंगी लिंक्डइन को फटकार लगाई है। उन्होंने कहा है कि भारत को अपना प्रौद्योगिकी मंच स्थापित करने की जरूरत है ताकि पश्चिमी प्रौद्योगिकियों के एकाधिकार के कारण सांस्कृतिक रूप से शासित होने की आशंका को दूर किया जा सके।

माइक्रोसॉफ्ट का बहिष्कार करते हुए अग्रवाल ने कहा कि ओला अब उसकी सेवाओं का लाभ नहीं उठाएगी और एक सप्ताह में अपना पूरा कार्यभार अपने घरेलू क्रुट्रीम क्लाउड पर स्थानांतरित कर देगी। यह विवाद लिंक्डइन द्वारा ओला के सीईओ की एक पोस्ट को हटाने के बाद शुरू किया गया है। उस पोस्ट में, लिंक्डइन के एआई को भारतीय उपयोगकताओं पर एक राजनीतिक विचारधारा थोपने की बात कही गई थी। उन्होंने जनरेटिव एआई की प्रतिक्रिया का एक स्क्रीनशॉट साझा किया था जिसमें अग्रवाल के बारे में बताने के लिए वे और उनके जैसे सर्वनामों का उपयोग किया गया था।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ओला सीईओ ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि यह प्रथा भारत तक नहीं पहुंचेगी। अग्रवाल ने भारतीय डेवलपर समुदाय से डीपीआई (डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर) सोशल मीडिया ढांचा बनाने का आान किया। यूपीआई, ओएनडीसी और आधार जैसे भारतीय डीपीआई की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि केवल सामुदायिक दिशानिर्देश ही भारतीय कानून में होना चाहिए।

उन्होंने कहा, किसी भी कॉरपोरेट को यह तय करने का अधिकया नहीं दिया जाना चाहिए कि किस चीज पर प्रतिबंध लगाया जाए, किस पर नहीं। डेटा का स्वामित्व रचनाकारों के पास होना चाहिए, न कि कॉरपोरेट्स के स्वामित्व में होना चाहिए जो हमारे डेटा का उपयोग करके पैसा कमाते हैं और फिर हमें सामुदायिक दिशानिर्देशों पर लेक्चर देते हैं। अग्रवाल ने आगे लिखा, चूंकि लिंक्डइन का स्वामित्व माइक्रोसॉफ्ट के पास है और ओला एज्योर का एक बड़ा ग्राहक है, इसलिए हमने एक सप्ताह के भीतर अपने पूरे वर्कलोड को अजूर से अपने स्वयं के कृत्रिम क्लाउड पर स्थानांतरित करने का फैसला किया है। मैं वैश्विक तकनीकी कंपनियों के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन एक भारतीय नागरिक के रूप में, मुझे चिंता है कि ऐसा नहीं करने से मेरा जीवन पश्चिमी बिग टेक के एकाधिकार से शासित होगा, जैसा कि उपरोक्त अनुभव से पता चलता है।

व्यंग्यात्मक कटाक्ष करते हुए, सीईओ ने डेवलपर्स को एज्योर छोड़ने और अपनी टीम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने लिखा, कोई अन्य डेवलपर जो एज्योर से बाहर जाना चाहता है, हम उसे पूरे एक वर्ष के लिए मुफ्त क्लाउड उपयोग की पेशकश करेंगे।

पुनर्भुगतान में दी राहत, चुकाना है 15 करोड़ डॉलर

भारत ने मालदीव के लिए कर्ज लौटाने की समय सीमा बढ़ाई

माले। भारत ने मालदीव को बड़ी राहत देते हुए 15 करोड़ डॉलर का कर्ज लौटाने की समय सीमा बढ़ा दी है। भारत का दौरा कर मालदीव लौटे वहां के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने यह जानकारी दी। मूसा जमीर ने ये भी बताया कि मालदीव में भारत के समर्थन से चल रहीं परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण तेजी आई है। जमीर 8-10 मई को भारत दौरा कर मालदीव पहुंचे हैं।

मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मूसा जमीर ने बताया कि भारत ने मालदीव को 20 करोड़ डॉलर के कर्ज में से 15 करोड़ के कर्ज के पुनर्भुगतान की समय सीमा बढ़ाने की हरी झंडी दे दी है। यह कर्ज भारत ने मालदीव की पिछली सरकार को दिया था। जमीर ने बताया कि मालदीव जनवरी में 5 करोड़ डॉलर का भारत को पुनर्भुगतान कर चुका है और बाकी के 15 करोड़ डॉलर का भी जल्द भुगतान किया जाना था, लेकिन अब मालदीव की मांग पर भारत ने पुनर्भुगतान की समय सीमा बढ़ा दी है और इसके बदले में कोई अतिरिक्त मांग नहीं की है।

भारतीय डॉक्टरों को वापस भेजने का मालदीव का कोई इरादा नहीं

मूसा जमीर का भारत दौरा ऐसे समय हुआ, जब दोनों देशों के रिश्तों में गिरावट चल रही है। दरअसल मालदीव में चीन समर्थक मोहम्मद मुइज्जू की सरकार के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में थोड़ी कड़वाहट आई है। मुइज्जू ने मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों को भी वापस भेज दिया है। जमीर ने बताया कि मालदीव में तैनात 76 भारतीय सैन्य कर्मियों की जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के कर्मचारियों को मालदीव में तैनात किया गया है। सेनाहिया में तैनात भारतीय डॉक्टरों को वापस भेजने का मालदीव का कोई इरादा नहीं है।

भारत समर्थित परियोजनाओं में आई तेजी

मूसा जमीर ने बताया कि मालदीव में भारत के समर्थन और फंडिंग से चल रहीं परियोजनाओं के काम में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और आने वाले दिनों में इन पर और तेजी से काम होगा। मूसा जमीर ने भारत दौरे पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के सामने यह मुद्दा उठाया था। मालदीव की पिछली सरकार में भारत के सहयोग से कई परियोजनाओं पर काम शुरू हुआ था।

चुनावी माहौल से एफपीआई में अनिश्चितता

विदेशी निवेशकों ने 10 दिन में निकाले 17,083 करोड़

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले 10 दिन में घरेलू शेयर बाजारों से 17,083 करोड़ रुपये की निकासी की है। चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा वसूली के लिए विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

इससे पहले अप्रैल में मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ने से एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह, एफपीआई मई के पहले 10 दिन में ही अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद घरेलू कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

गोल्ड ईटीएफ से निकले 396 करोड़

नई दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई है। निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। हालांकि, मार्च में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच फीसदी बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मार्च में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 31,224 करोड़ रुपये रहा था।

बॉन्ड बाजार से 1,602 करोड़ रुपये की निकासी

एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई 2024 में अब तक कुल मिलाकर शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

खेल

अपने करियर में कई बार 75 मीटर का न्यूनतम क्वालिफाइंग मार्क हासिल करने पर मिला सीधा प्रवेश

क्वालिफाइंग के बजाय सीधे फेड कप फाइनल में खेलेंगे नीरज और किशोर

भुवनेश्वर। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को भुवनेश्वर में 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। नीरज और किशोर ने अपने करियर में कई बार 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया है, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश देने का फैसला किया गया है।

पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और वह 88.38 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। नीरज महज दो सेंटीमीटर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए थे। हालांकि एशियाई खेलों के रजत विजेता जेना का डायमंड लीग में पदार्पण निराशाजनक रहा था क्योंकि वह 76.31 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 में छठे स्थान पर रहे डीपी मनु की नजरें 85.50 मीटर के स्तर को पार करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी होंगी और वह भी सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

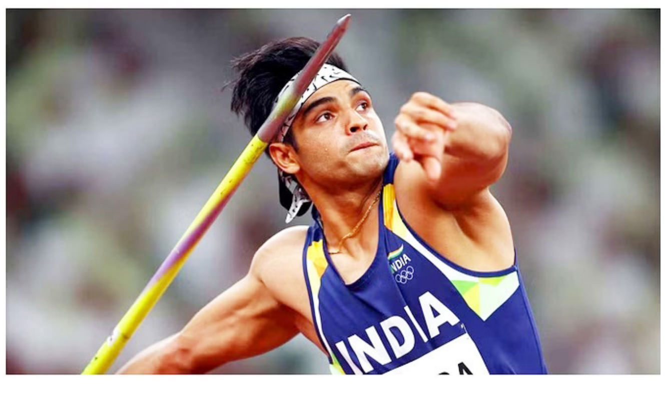

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे नीरज

नीरज चोपड़ा तीन साल में पहली बार भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बताया कि 26 वर्षीय नीरज इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। नीरज ने 2022 और 2023 में किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह पिछली बार घरेलू टूर्नामेंट में मार्च 2021 में फेडरेशन कप में खेले थे। पता चला है कि नीरज दोहा से भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन वह मंगलवार को भुवनेश्वर पहुंचेंगे। एएफआई चाहता था कि नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद और पेरिस खेलों से पहले एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लें।

नौ एथलीटों को सीधे फाइनल्स में मिला प्रवेश

भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने एएफआई के क्वालीफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए कहा, वे सभी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं, वे मंगलवार को क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। जिन लोगों ने प्रविष्टियां दी हैं उनमें नीरज और जेना सहित ऐसा करने वाले नौ खिलाड़ी हैं। वे सीधे बुधवार को फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

टी-20 विश्व कप के बाद बदल जाएगा टीम इंडिया का कोच!

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2024 की शुरुआत जून में होगी। वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होने जा रहे इस टूर्नामेंट के बाद टीम इंडिया के मुख्य कोच के रूप में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल, वनडे विश्व कप 2023 के बाद टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का अनुबंध बढ़ाया गया था। वह नवंबर 2021 से टीम इंडिया के मुख्य कोच के पद पर बने हैं। हालांकि, अब खबर आई है कि बोर्ड बहुत जल्द नए कोच के लिए विज्ञापन निकाला जाएगा। टी-20 विश्व कप 2024 के साथ जून में द्रविड़ का अनुबंध समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर द्रविड़ चाहें तो इस पद के लिए दोबारा आवेदन कर सकते हैं लेकिन पहले की तरह कोई स्वचालित विस्तार नहीं होगा। इस बात की पुष्टि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने की। उन्होंने कहा, राहुल का कार्यकाल केवल जून तक है। इसलिए यदि वह आवेदन करना चाहते हैं, तो वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस रिपोर्ट में आगे बताया गया कि शाह ने विदेशी कोच नियुक्त करने की संभावना से भी इनकार कर दिया है। शाह ने आगे कहा, हम यह तय नहीं कर सकते कि नया कोच भारतीय होगा या विदेशी।

अपने पास से पुरानी किट ले गया था डीसीओ, नाडा ने की कार्रवाई

बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग का एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने पहुंचे डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को हटा दिया गया है। नाडा ने डीसीओ के खिलाफ कार्रवाई मामले की प्रारंभिक जांच के बाद की है। वहीं ट्रायल में सैंपल नहीं दिए जाने के आरोप में अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए गए बजरंग ने नाडा को नोटिस का जवाब दे दिया है। उन्होंने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है।

जांच में पाया गया कि 13 दिसंबर, 2023 को डीसीओ बजरंग के आवास पर सैंपल की किट नाडा ऑफिस से ले जाने की बजाय अपने पास से पुरानी किट ले गया था। सैंपल देने का समय सुबह आठ बजे था। बजरंग ने यूरिन सैंपल दे दिया था, लेकिन ब्लड सैंपल देने वाली किट एक्सपायरी थी, जिसे बजरंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नाडा पर एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने का आरोप लगाया था। इसके बाद 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान उन्होंने डोप सैंपल नहीं दिया। साथ ही एक्सपायरी किट का जवाब देने को कहा। नाडा ने उन्हें इसके बाद अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया।

प्रगनानंदा को चौथा स्थान, 10वें नंबर पर रहे गुकेश

कार्लसन ने जीता रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट

वारसॉ। मैग्नस कार्लसन ने सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। अंतिम दिन कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे, लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने अंतिम दिन सात बाजी जीती और दो ड्रॉ की। उन्होंने कुल 26 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वेई उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे।

पोलैंड के डुडा यान क्रिस्टोफ ने 19.5 अंक के साथ तीसरा, जबकि प्रगनानंदा ने 19 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। भारत के अर्जुन एरिगेसी 18 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने 17.5 अंक के साथ छठा, जबकि किरिल शेवचेनकोव ने 17 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

भारत के ही अनीष गिरी 14 अंक के आथ आठवें स्थान पर रहे। जर्मनी के विन्सेंट केमेर उनसे आधा अंक पीछे नौवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के सबसे युवा चैलेंजर भारत के स्टार चेज खिलाड़ी डी गुकेश ने 12.5 अंक के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने टीएमसी प्रमुख पर साधा निशाना, इंडिया गठबंधन को बताया डेंजरस

बंगाल में दीदी ने गणतंत्र को गुंडातंत्र में बदला : शिवराज

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश में चौथे और अंतिम चरण की आठ सीटों पर मतदान के बीच सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तीन लोकसभा सीटों पर प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल पहुंचे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंडिया गठबंधन का मतलब बताते हुए कहा कि आई से इममैच्योर मतलब अपरिपक्व। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता उलूल-जुलूल भाषण देते हैं। एन से नर्वस मतलब घबराए हुए। डी से डेंजरस मतलब खतरनाक। देश विरोधी बातें करते हैं और आई से इग्नोरेंट मतलब अनभिज्ञ। जनता से जुड़े विषयों की जानकारी नहीं है, जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है।

दीदी, मां माटी मानुष की नहीं बल्कि मनी, माफिया और मर्डर की सरकार चला रही

शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दीदी, मां माटी मानुष की नहीं बल्कि मनी, माफिया और मर्डर की सरकार चला रही है। बंगाल का पवित्र त्योहार है सिंदूर खेला। लेकिन ममता दीदी ने अपनी क्रूरता से बंगाल की महिलाओं का सिंदूर तक छीन लिया। टीएमसी के गुंडों के आतंक ने कई महिलाओं का सुहाग उजाड़ दिया है। महिलाओं को सशक्त करने हम लखपति दीदी बना रहे हैं, लेकिन ममता दीदी खुद घोटाला दीदी बन गई है। दीदी कहती थी करबो-लड़बो-जीतवो, लेकिन सरकार में कर रही है काटबो, लड़ाबो और मारबो। पूर्व सीएम ने कहा कि बंगाल में दीदी ने गणतंत्र को गुंडातंत्र में बदल दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने मतदान में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का लगाया आरोप

किसानों को दाम नहीं, नौजवानों को काम नहीं : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण की वोटिंग आज की जा रही है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि आज लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान में भारत की जनता को अपने भविष्य और सच्चाई के लिए वोड डालना है।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि भाजपा सरकार की सबसे बड़ी विशेषता है कि किसानों को दाम नहीं, नौजवानों को काम नहीं, महिलाओं को मान नहीं और दलित-आदिवासियों को सम्मान नहीं। सर्व समाज के इस अपमान को रोकने के लिए देश में सत्ता परिवर्तन करना जरूरी है। आज चौथे चरण के मतदान में भारत की जनता को अपने भविष्य और सच्चाई के लिए वोट डालना है। सीएम कमलनाथ ने आगे लिखा कि कुछ जगहों से मतदान में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की शिकायतें भी आ रही हैं। मैं मतदाताओं से अपील करूंगा कि वे निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अगर कोई उन्हें डराता-धमकाता है तो उस शिकायत को सार्वजनिक करें।

गौरतलब है कि एमपी में लोकसभा इलेक्शन के चौथे फेस में 8 सीटों पर मतदान जारी है। जिसमें उज्जैन, इंदौर, देवास, रतलाम, धार, मंदसौर, खंडवा और खरगोन सीट शामिल हैं। इन सभी सीटों पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोड डाले जाएंगे। चौथे फेस में कुल 74 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद होगी। इससे पहले 21 सीटों पर तीन चरणों में वोटिंग की प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। देश समेत प्रदेश की सभी 29 सीटों के वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

सीबीएसई रिजल्ट : 17 रीजन के रिजल्ट में 15वां नंबर रहा

भोपाल रीजन में 10वीं कक्षा में 90.58% विद्यार्थी पास

भोपाल। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा के बाद 10वीं कक्षा का रिजल्ट सोमवार को जारी कर दिया है। परीक्षा परिणाम में फिर लड़कियों ने बाजी मारी है। लड़कियों का परीक्षा परिणाम 2.19 प्रतिशत अधिक है। भोपाल रीजन में 89.59 छात्र और 91.78 छात्राएं पास हुए है। भोपाल रीजन में 10वीं कक्षा में 112514 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। इसमें 61801 छात्र और 50717 छात्राएं शामिल हुई। 15 फरवरी से 13 मार्च के बीच हुई। इसके रिजल्ट सोमवार को जारी हुए। इसमें 1 लाख 1 हजार 575 छात्र-छात्राएं पास हुए है। इसमें 55 हजार 170 छात्र और 46 हजार 405 छात्राएं है।

सभी 17 रीजन का रिजल्ट 93.60 प्रतिशत रहा। पिछली बार से रिजल्ट 0.48 प्रतिशत अधिक है। इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। इस बार 92.71 छात्र और 94.75 छात्राएं पास हुए है। सबसे ज्यादा रिजल्ट त्रिवेंद्रम रीजन का रहा है। यहां पर 99.75 प्रतिशत बच्चे पास हुए। दिल्ली ईस्ट रीजन में 94.45 प्रतिशत और दिल्ली वेस्ट रीजन में रिजल्ट 94.18 प्रतिशत रहा। वहीं, भोपाल रीजन में गवर्मेंट स्कूल का रिजल्ट 74.21 प्रतिशत, इंडीपेंडेंट स्कूल का 91.03 प्रतिशत, जेएनवी का 99.29 प्रतिशत और केंद्रीय विद्यालय का 98.25 प्रतिशत रिजल्ट रहा। कैटेगिरी के अनुसार मध्य प्रदेश में सामान्य कैटेगिरी के 93.97प्रतिशत, अनुसूचित जाति के 89.43 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के 77.79 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के 89.82 प्रतिशत बच्चे पास हुए।

भोपाल के तनय निगम ने 12वीं कक्षा में किया टॉप, 10वीं में प्राकाम्य बालोत ने मारी बाजी

भोपाल क्षेत्र में 83.54 प्रतिशत छात्रों ने पास की 12वीं कक्षा की परीक्षा

भोपाल। भोपाल में पिछले साल के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए लड़कों ने सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं में शीर्ष स्थान हासिल किया है। 12वीं कक्षा में तनय निगम ने 99 प्रतिशत अंक हासिल किए। जबकि प्राकाम्य सिद्ध बालोत और सायली देश पांडे ने 10वीं कक्षा में 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए। दोनों छात्र डीपीएस, नीलबड़ से हैं। इस साल सीबीएसई भोपाल क्षेत्र में 83.54 प्रतिशत छात्रों ने 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की। कुल मिलाकर 82,037 छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जबकि 81,343 छात्र उपस्थित हुए। 12वीं कक्षा में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत लड़कों से अधिक था। कुल मिलाकर, 85.74 प्रतिशत लड़कियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। जबकि 81.73 प्रतिशत लड़के 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होने में सफल रहे। 10वीं कक्षा के नतीजों में 91.24 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। इस कक्षा में भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर, 92.39 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की, जबकि 90.33 प्रतिशत लड़के परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफल रहे। 12वीं कक्षा में मानविकी के छात्रों ने सभी शीर्ष स्थान हासिल किए। तनय पीएफ डीपीएस ने 99 प्रतिशत के साथ शहर में शीर्ष स्थान हासिल किया। सेंट जेवियर्स स्कूल की तौशिका जैन 98.6 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। कार्मेल कॉन्वेंट बीएचईएल की सुहानी यादव और देवांशी श्रोत्रिय ने 98 प्रतिशत अंक हासिल कर मानविकी से तीसरा स्थान हासिल किया।

पांचवीं व आठवीं के फेल विद्यार्थियों की दोबारा जांची जाएंगी उत्तर पुस्तिकाएं

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने हाल में पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया है। इसके तहत जो छात्र-छात्राएं फेल हुए हैं। उनकी कापियां दोबारा जांची जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में निर्देश जारी किए है। इसके लिए आवेदन करना होगा। प्रक्रिया आनलाइन रहेगी। उक्त कक्षाओं का रिजल्ट 23 अप्रैल को घोषित किया गया था। दोनों कक्षाओं में प्रदेश से करीब ढाई लाख विद्यार्थी फेल हो गए थे। इन्हें अंकों की बजाय ग्रेड दिया गया था। इन फेल विद्यार्थियों को पास होने का मौका दिया गया है। इसके लिए इनकी दोबारा परीक्षा जून में आयोजित होगी। इसके साथ ही विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिकाओं की जांच दोबारा करा सकेंगे।

दुल्हन लेने छिंदवाड़ा के रामाकोना जा रहा था परिवार

बोलेरो वाहन पलटा, तीन महिलाओं की हुई मौत

भोपाल। बैतूल जिले के पाथर खेड़ा से दुल्हन को लाने छिंदवाड़ा के रामाकोना जा रहा एक परिवार हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। जबकि अन्य घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा परासिया की मोआरी खदान के पास हुआ। बैतूल के पाथर खेड़ा का बिंझाड़े परिवार में दो दिन पहले बेटी के विवाह की खुशियां छाई हुई थी। दरअसल इस परिवार में 10 मई को उनकी बेटी की शादी थी, जिसकी बारात छिंदवाड़ा के रामाकोना से आई थी, बारात के बाद बीती रात यहां बेटी के ससुराल में रिसेप्शन की पार्टी थी तथा बेटी को ससुराल से मायके ले जाने के लिए परिवार बोलेरो में सवार होकर रमाकोना आ रहा था। तभी अचानक मोआरी खदान के पास बोलेरो वाहन पलट गया, जिसमें सवार उत्तरप्रदेश के हमीरपुर निवासी हीरू वर्मा, रामाकोना निवासी इंद्रावती लक्ष्मण टांडेकर सोनेकर और सुशीला पति चरणदास सोनकर 50 साल की मौत हो गई।

मौत की खबर सुन बेसुध हो गई दुल्हन

इस सड़क हादसे ने बिंजड़े परिवार की खुशियों पर पानी फेर दिया। दरअसल हादसे में दुल्हन की बुआ इंद्रावती टांडेकर और दुल्हन की दादी सुशीला सोनकर की मौत हो गई। इस घटना के बाद दुल्हन बेसुध हो गई है। वहीं एक अन्य रिश्तेदार भी जो यूपी से शादी में आईं थीं, उनकी भी मौत हो गई है। इस हादसे में दुल्हन के चाचा पक्ष के रिश्तेदार भी घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि उनका इलाज अस्पताल में जारी है।

हिंदी विवि के अतिथि विद्वानों की सेवाएं अगले आदेश तक के लिए समाप्त

भोपाल। राजधानी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों की सेवाएं सोमवार से समाप्त कर दी गई है।

विवि प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 13 मई 2024 से आगामी आदेश तक के लिए अतिथि विद्वानों को कार्य से पृथक किया गया है। विवि के कुलसचिव शैलेंद्र कुमार जैन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चार मई 2023 को विवि के विभिन्न विभागों में पदस्थ अतिथि विद्वानों को छह मई 2023 से आगामी आदेश तक आमंत्रित किया गया था।

चुनाव आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण विवि ने पत्र के माध्यम से मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग से इस संबंध में मार्गदर्शन मांगा था। इसके अनुसार आठ मई 2024 को विवि को प्राप्त मार्गदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि विद्वानों को 13 मई से आगामी आदेश तक के लिए सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया ।

लापरवाही | बाल कल्याण समिति टीम को पीड़िता ने बताई पूरी घटना, केस दर्ज लेकिन गिरफ्तारी अब तक नहीं

स्कूल में बच्ची से दुष्कर्म के 12 दिन बाद भी चल रही है जांच

भोपाल। मिसरोद के एक निजी स्कूल में आठ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के मामले में पुलिस की 12 दिन बाद भी जांच जारी है। एफआइआर दर्ज होने के बाद किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले में बाल कल्याण समिति की टीम दो दिन पहले पीड़िता के घर पहुंची। यहां एक सदस्य ने अकेले में बच्ची से बात की उसकी काउंसिलिंग की। बच्ची ने वही घटनाक्रम एक बार फिर से समिति को बताया है जो बच्ची ने पुलिस और कोर्ट में दर्ज करवाया था। सच्चाई तक पहुंचन के लिए सीडब्ल्यूसी अभी एक बार और बच्ची की काउंसिलिंग करने की बात कह रही है। वहीं, इस मामले में सस्पेंड सब इंस्पेक्टर प्रकाश राजपूत और एएसआई रामप्रकाश सिंह पर आला अधिकारी बर्खास्त करने की कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। इस मामले में आला अधिकारियों ने दोनों की सर्विस बुक का रिकार्ड और पुराने मामलों की जानकारी मांगी है।

मेडिकल रिपोर्ट में नहीं हुई दुष्कर्म की पुष्टि

पुलिस इस मामले में तीन बार बच्ची का मेडिकल बोर्ड से चिकित्सा परीक्षण करा चुकी है,लेकिन उसमें रेप या अश्लील हरकत की पुष्टि नहीं हो पाई है। बाद में पुलिस ने इस मामले में जेपी अस्पताल के मेडिक्ल बोर्ड से तीसरी बार चिकित्सा परीक्षण कराया। उसमें शहर की चार स्त्री विशेषज्ञ को शामिल किया गया था। उसके बाद पुलिस के जांच अब बच्ची के बयान पर कायम है।

स्कूल संचालक और वार्डन के बयान दर्ज

इस मामले में स्कूल संचालक और वार्डन के पुलिस इस मामले में बयान दर्ज कर चुकी है। जांच में घटना के दिन संचालक पर स्कूल में नहीं थे। पुलिस घटना के सीसीटीवी भी निकाल चुकी है। उसमें कोई बच्ची वाले कमरे में जाता नजर नहीं आ रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी करीब दो से तीन बार चेक कर लिए गए हैं।

टाईल्स ही टाईल्स
सबसे सस्ता...सबसे अच्छा
2x2 वीट्रीफाईड, डीजिटल, 3D
क्वालिटी की टाईल्स मात्र 270/- BOX
वह भी 1st ग्रेड की 16 फीट प्रति BOX
(25 BOX तक के स्टोक में उपलब्ध)
इन्दौर में 8 किमी तक भाड़ा फ्री रहेगा
10000/- की माल खरीदी के समय पेपर की कटिंग दिखाने पर 1000/- मूल्य का
गिफ्ट...एकदम फ्री पाएं..
उक्त स्कीम 10 मई से 30 मई तक ही मान्य रहेगी
मिक्स टाईल्स काफी कम रेट में उपलब्ध है
12x18 6 रु. फीट | 16x16 9 रु. फीट | 2x2 10 रु.फीट | 2x4 12 रु.फीट
कमलेश कुमार शाह टाइल्स
24/1 एवं 24/2 स्नेहलतागंज पत्थर गोदाम, इन्दौर
मो.98264-62970
13 मई को मतदान अवश्य करें

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.ली. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (मध्य प्रदेश)पिन- 452011 से प्रकाशित। संपादक - मिलिंद बायवार*। आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117 मो. 07313144237, 83570-89000, Email: mradubhashi.news@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)

आंधी-तूफान के साथ कहीं-कहीं क्षेत्र में बारिश के साथ लोकतंत्र के पर्व का हुआ समापन

भीषण गर्मी के बीच मतदाताओं ने उत्साह के साथ किया मतदान

धार। एक महीने चुनाव प्रचार के साथ सोमवार मतदाताओं ने प्रत्याशियों के भाग्य का बटन दबाकर उनकी किस्मत को पेटियों में बंद कर दिया। लोकसभा चुनाव के लिए मतदाताओं में सुबह के समय उत्साह देखा गया। कतारें लगीं लेकिन दोपहर में सन्नाटे की स्थिति बनी। मतदान का प्रतिशत जिस गति से बढ़ा, पारा भी उसी गति से चढ़ा। सुबह के पहले दो घंटे में औसत 12 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि बाद के दो घंटे में करीब 20 प्रतिशत मतदान बढ़ा। लेकिन सुबह 07 बजे से दोपहर एक बजे के बीच सर्वाधिक तेज गत्ति से मतदान हुआ। इन दो घंटों में करीब 20 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला। मतदान को लेकर सुबह से ही शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही गर्मी के बीच ग्रामीण के कई बूथों पर तो पीने का पानी तक की व्यवस्था नहीं थी। हालात यह हो गए कि गांव के लोगों ने ही वोटरों के साथ ड्यूटी पर रहे कर्मचारियों को ठंडा पानी पिलाया, गांव के लोगों ने पोलिंग बूथ पर ही ड्रमों में बर्फ डालकर पानी को ठंडा करके आने लोगों को पिलाया। लोकसभा चुनाव के साथ गर्मी भी अपने चरम पर थी लोगो उतने ही उत्साह लोकसभा चुनाव में लोकसभा क्षेत्र मे मतदान हुआ था। वही प्रशासन स्वीप अभियान के तहत मतदान को बढ़ाने के लिए काफी प्रयास किए गए। जिससे मतदान में अधिक अंतर नहीं आया है। जिस तरह से बहिष्कार और मतदाता में उत्साह की कमी दिखाई दे रही थी। इससे लग रहा था कि मतदान काफी कम होगा। कुछ केंद्र रहे सूने तो कहीं पर लगी कतार शहर में मतदान के लिए अलग अलग तरह के केंद्र बनाए गए थे। मतदान के लिए पिंक बूथ, आदर्श बूथ, दिव्यांग और युवाओं के लिए लोकसभा मतदान को लेकर दिव्यांगों और वृद्धों में उत्साह दिखाई दिया। कोई बैसाखी के सहारे तो कोई व्हील चेयर और अपने परिजनों के साथ मतदान करने के लिए केंद्र पर पहुंचा। मतदाताओं ने बताया कि उन्हें घर से मतदान की सुविधा थी, स्वयं केंद्र पर जाकर मतदान करना चाहते थे। इस वजह से मतदान के लिए आए हैं। वही केंद्रों पर ऐसे भी। मतदाता आये जिनके मतदान उनके परिवार के लोगो ने किया वही उसके लिए फार्म भरने की प्रकिया भी रही।लोकतंत्र के महा यज्ञ में आहुति डालने कुक्षी विधानसभा में भी लोगों में सुबह से उत्साह दिखाई दिया।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मतदान केंद्रों पर कैमरे लगाए गए थे। वहीं पुलिस बल भी तैनात किया गया था। जिससे सभी जगह पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हुए। बूथ बनाए गए थे। सभी जगह पर मतदाताओं के लिए विशेष रूप से सुविधा की गई थी। शहर व आदर्श मतदान केंद्र पर प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा की गई थी। साथ ही मतदान करने आने वाले लोगों का फूल व मालाओं से स्वागत किया गया। इधर इधर अनारद मतदान केंद्र पर गर्मी को देखते हुए ठंडाई भी पिलाई गई लोगों के लिए पानी, छांव और व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी। मतदान के दौरान शहर व गाँवो के कई केंद्र सूने पड़े रहे। दोपहर बाद केंद्र पर लोगों की भीड़ कम लगी रही। लोगों ने आराम से मतदान किया।

दोपहर बाद घरों से निकली महिलाएं

लोकसभा चुनाव में लोगो को कम उत्साह रहता है वही इसबार ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से महिला मतदाताओं की संख्या काफी कम रही, लेकिन दोपहर 10 बजे के बाद कई केंद्रों पर महिलाएं काफी संख्या में एक साथ आईं। क्योंकि की महिला वोटर सुबह घर का किया और फिर मतदान के लिए आए। कई बूथों पर भीड़ के कारण वोट डालने के लिए इंतजार भी करना पड़ा। केंद्रों पर को वोट डालने के महिलाओं की लाइन लगाई। वही शाम को मौसम खराबी के कारण कही वोटर वोट डालने नही पहुँचे।

कूलर की ठंडी हवाओं के बीच की वोटिंग

गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में सभी बूथों पर हवा के लिए सिर्फ पंखे के साथ कूलरों की व्यवस्था थी। वही कही केंद्रों पर पंखे भी गर्म हवा फेंक रहे थे। इसके चलते जब भी बूथ पर कोई मतदाता नहीं आता तो यह लोग सीट छोड़कर कुछ समय के लिए बाहर भी आते जाते रहे। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के बूथों पर काफी गर्मी का असर देखने को मिला।

चार बजे के बाद लगी रही भीड़

कई बूथों पर वोटरों की भीड़ सुबह से शाम तक कम ज्यादा होती रही, लेकिन सुबह 7 से 11 बजे तक व शाम 4 से 6 बजे के बीच अधिकांश सभी बूथों पर मतदाताओं की भीड़ लग गई।

104 वर्षीय बुजुर्ग ने वोट देकर सेल्फी खिंचवाई

ईवीएम खराब होने से मतदान देर से हुआः
गंधवानी विधानसभा के बाग ब्लॉक में ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से मतदाताओं की भीड़ नजर आई। ग्राम पंचायत वाणदा में 206 पोलिंग बूथ पर भी मशीन हुई खराब। बाग क्षेत्र के पोलिंग नंबर 221 ग्राम बंधान्या में भी ईवीएम खराब होने से पौन घंटे बाद मतदान शुरू हुआ। टकारी 186 में दो बार हुई मशीन में खराबी ओर पौने 9 बजे बाद सुचारू हुआ शुरू मतदान।

जनप्रतिनिधियों ने डाले वोट

आमजनता के साथ मतदान में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी सहभागिता की। भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने तारापुर, कांग्रेस प्रत्याशी राधेश्याम मुवेल ने अमलाठा ओर धार में विक्रम वर्मा और उनकी पत्नी नीना वर्मा ने ब्रहाकुंडी स्कूल पहुंचकर वोट डाला। व मनोज सोमानी बदनावर तो भैंसोला में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने मतदान किया। और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ग्राम बारिया में मतदान किया। भाजपा नेता जयदीप पटेल ने डही में मतदान किया।

मतदानकर्मी की मौत

इस बीच निर्वाचन कार्य में लगे बीईओ सुमन कुमार वार्ष्णेय के दुखद निधन की भी घटना सामने आई है। वार्ष्णेय की ड्यूटी मतदान सामग्री वितरण और संग्रहण कार्य में लगाई गई थी। इस बीच उनकी असमय मृत्यु हुई है। इस घटना के बाद मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनूपम राजन सहित जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने भी दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया है।

वोट के बाद सेल्फी ली

मतदान केंद्र के बाहर सेल्फी पॉइंट बनाया गया था। वोट डालने के बाद मतदाताओं ने सेल्फी ली और सोशल मीडिया पर अपने फोटो अपलोड कर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

बूथ पर मिनरल वाटर के चार कैंपर रखे गए, लाइन में खड़े लोगो को ठंडे पानी की व्यवस्था

शाम को सूने हो गए बूथः
वही दोपहर तक कही केंद्रों पर वोट डाल चुके थे। इस कारण शाम को मतदान केंद्र सूने हो गए। कतारें नहीं थी। शाम के समय एक-एक करके ही वोटर आ रहे थे।
पार्टी कार्यकर्ता 200 मीटर के दायरे के बाहर अपने बूथ बनाकर बैठे रहे। हालांकि दोपहर में बूथ पर बैठे कार्यकर्ता चले गए।

अंजलि ने 12वीं में और श्रेयस ने 10वीं में पाया प्रथम स्थान

शहर के विद्यार्थियों ने फिर लहराया सफलता का परचम

शाजापुर। सोमवार को घोषित हुए सीबीएसई कक्षा 10वी व 12वी के परीक्षा परिणामों में एक बार फिर दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता साबित करते हुए अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं की मेहनत को सार्थक किया। विद्यालय की कक्षा 12वी की छात्रा अंजली डाबी ने 93 प्रतिशत व कक्षा 10वी के श्रेयस ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम व जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

जैसे ही परीक्षा परिणामों की घोषणा हुई विद्यार्थी स्कूल व ऑनलाईन सेंटर पहुंच गए। सहज पब्लिक स्कूल में भी विद्यार्थियों की भीड़ जमा हो गई, जिन्होंने हर बार की तरह इस बार भी विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय प्राचार्य अंकुर जैन ने बताया कि कक्षा 12वी में कॉमर्स संकाय की अंजली डाबी ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम व शहर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार विद्यालय के कक्षा 12वी के गणित संकाय के आशीष चौहान ने 89 प्रतिशत, विज्ञान संकाय की पूर्वा सोनी 83.2, रूषदा शेख 76.4 व हिमांशु वर्मा ने 76 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। वहीं कक्षा 10वी में श्रेयस हव्यार्सी ने 93 प्रतिशत, युवराज पाठक 90 प्रतिशत, अथर्व सोनी ने 89 प्रतिशत, आदित्य डाबी ने 86.4, शुभांषी राठौड़ ने 86 व वात्सल्य त्रिवेदी ने 85.4 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय व शहर को गौरवान्वित किया है। विद्यालय संचालिका आशा जैन, सह संचालिका पूर्वी जैन व प्राचार्य अंकुर जैन ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईवीएम में कैद हुआ नौ प्रत्याशियों का भाग्य, शाम 5 बजे तक हुआ 73.57 फीसदी मतदान, अब 4 जून का इंतजार

आलोट। आलोट लोकसभा चुनाव को लेकर सुबह 7:00 बजे से वोटिंग शुरू हुई दोपहर 3:00 बजे तक 62.67% मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया था तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद भी मतदाता अपने-अपने घरों से निकलकर मतदान केंद्र पर पहुंच रहे थे और लोकतंत्र के महायज्ञ में हिस्सा लेकर वोट के माध्यम से अपनी आहुति दे रहे थे आलोट विधानसभा क्षेत्र में सुबह 7:00 बजे से मतदान की शुरूआत हुई सुबह 7:00 से लगाकर 11:00 बजे तक 35% मतदान संपन्न हो गया था इसके बाद मतदान की गति कुछ धीमी हुई और 3:00 बजे तक मतदान का प्रतिशत 62% रहा युवाओं महिलाओं बुजुर्गों सभी ने उत्साहपूर्वक मतदान किया क्षेत्र में मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह देखा गया पहली बार के मतदाताओं ने भी उत्साह से अपने मत का प्रयोग किया सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए टेंट एवं ठंडे पानी की व्यवस्था की गई प्रशासन पूरी तरीके से अलर्ट रहा एसडीओपी शाबेरा अंसारी और थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह गड़रिया सुबह से ही अपनी टीम के साथ मतदान केंद्रों पर अलर्ट थे जिसके चलते कहीं पर भी किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना दिखाई नहीं दी हां कहीं-कही पर मशीन खराब होने की सूचना मिली जिस पर पीठासीन अधिकारी ने तुरंत मशीन को शुरू करवा दिया नगर के 15 ही वार्डों में 19 पोलिंग बूथ पर शांतिपूर्ण मतदान रहा तो वहीं क्षेत्र के 253 मतदान पर दोपहर 3:00 बजे तक 62% मतदान संपन्न हो गया तेज धूप और भीषण गर्मी के चलते कई मतदान केंद्रों पर दोपहर 12:00 बजे के बाद सन्नाटा दिखाई दिया परंतु फिर भी लोगों ने घरों से निकाल कर अपने-अपने मत का प्रयोग किया प्रशासन की अच्छी व्यवस्था के चलते मतदाताओं को भी ज्यादा समय तक अपने मत का प्रयोग करने में इंतजार नहीं करना पड़ा उज्जैन आलोट संसदीय से ९ प्रत्याशी चुनावी मेदान में थे जिसमे सीधा मुकाबला बीजेपी से अनिल फि रोज़िया और कांग्रेस से महेश परमार के बीच में था ।

कलेक्टर और एसपी ने लगातार भ्रमण कर शांतिपूर्वक कराया मतदान

रतलाम जिले में शाम 6 बजे तक 77.14 प्रतिशत मतदान

रतलाम । लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए 13 मई को रतलाम जिले में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ जिलेके सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में शाम 6:00 तक अनुमानित 77.14 प्रतिशत मतदान की खबर है जिलेमें 74.25 प्रतिशत महिला मतदाता तथा 80.05% पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया है इस दौरान मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक गण श्री अबू बकर सिद्दीक श्री वी संपत सुश्री ज्योति यादव ने भ्रमण कर जायजा लिया रतलाम जिले में कलेक्टर श्री राजेश बाथम पुलिस अधीक्षक श्री राहुल लोढ़ा सीईओ जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव अपर कलेक्टर श्री आर एस मंडलोई सेक्टर अधिकारियों पुलिस तथा

राजस्व अधिकारियों द्वारा सतत भ्रमण करते हुए जिले में सुचारु मतदान संपन्न करवाया गया कलेक्टर श्री बाथम इस दौरान करमदी पलसोढी डेलनपुर आदि ग्रामों में पहुंचे मतदान केंद्र का निरीक्षण किया उनके साथ पुलिस अधीक्षक श्री लोढ़ा भी थे

जिले में निष्पक्ष शांतिपूर्ण मतदान के लिए चाक चौबंद व्यवस्थाएं की गई थी लगभग 4 हजार सुरक्षा बल तथा लगभग 1300 विशेष कर्तव्य पुलिस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थे जिला मुख्यालय पर बनाए गए कंट्रोल रूम से जिले के 862 मतदान केंद्र वेब कास्टिंग के दायरे में थे इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वायड दलों तथा एस एस टी निगरानी दलों द्वारा भी सतत भ्रमण करते हुए निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित किया गया ,जिले के 310 संवेदनशील मतदान केंद्र पर विशेष सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई थी मतदान प्रातः 7:00 बजे से प्रारंभ हो गया था मतदान के प्रति मतदाताओं में अत्यंत उत्साह देखने में आया ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में सुबह से मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गई मतदान में युवा मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया इसके अलावा बुजुर्गों दिव्यांगों ने भी उत्साह के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया परिवारों के अनेक सदस्य मतदान केंद्र पर साथ साथ मतदान के लिए आए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए गर्मी के दृष्टिगत पेय जल के अलावा छाछ लस्सी कोल्ड ड्रिंक केरी का पना,आमरस इत्यादि की व्यवस्थाएं की गई थी इसके लिए कलेक्टर श्री बाथम का जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव के साथ ही अन्य अधिकारियों के अलावा लायंस क्लब ,बैंक आफ इंडिया ,बैंक ऑफ बडौदा, सरार्फा एसोसिएशन इत्यादि स्वयंसेवी संस्थाओं संगठनों ने सहयोग दिया

जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र रतलाम शहर में 71. 30 प्रतिशत रतलाम ग्रामीण में प्रतिशत सैलाना में 83.84 प्रतिशत जावरा में 74.63 प्रतिशत तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र आलोट में 75.97 प्रतिशत मतदान की खबर है।